* 17th Year
* Issue: 323
* 13.04.2024 (SATURDAY)
* ROURKELA
* R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
* (Pages-6)
* Price:2.00

e-paper-www.thekalingasamachar.com

दैनिक कलिंग समाचार

The kalingasamachar

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From Rourkela

कांग्रेस की सोच ही विकास विरोधी, उन्होंने सीमावर्ती गांवों को आखिरी गांव माना, हम प्रथम मानते है-मोदी

बाड़मेर १२/०४ (संवाददाता): लोकसभा चुनाव से पहले पीएम मोदी जोर.शोर से चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। पीएम मोदी आज राजस्थान के बाड़मेर में चुनावी सभा को संबोधित किया। मोदी ने कहा कि ये जनसैलाबए ये जनसमर्थन बताता है कि बाड़मेर की जनता ठश्रच् को भरपूर आशीर्वाद देने का संकल्प ले चुकी है। इस चुनाव में आपका एक.एक वोट विकसित भारत की नींव मजबूत करेगा। ये चुनाव दल का नहींए देश का चुनाव है। इसलिए आज पूरा देश कह रहा है . 4 जूनए 400 पार! उन्होंने कहा कि बाड़मेर हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेता स्वण् जसवंत सिंह जी का क्षेत्र है। यहां के लोगों ने हमेशा मुझे बोला है . मोदी जी आप देश के दुश्मनों को सबक सिखाओए बाड़मेर जिताने की जि मेदारी हमारी। आप इस बार भीए पहले से ज्यादा वोटों से ठश्रच् को जिताएंगेए ये मेरा पक्का विश्वास है।

मोदी ने कहा कि जिस राजस्थान के लोगों ने देश को अपने लहू से सींचाए उस राजस्थान को कांग्रेस ने पानी के लिए प्यासा रखा। जितने दिन राजस्थान में कांग्रेस सरकार रहीए उसने जल जीवन मिशन में भी जमकर भ्रष्टाचार किया। कांग्रेस ने राजस्थान तक पानी लाने के लिए त्ब्च् परियोजना भी पूरी नहीं होने दी थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सोच ही विकास विरोधी है। ये लोग देश के सीमावर्ती गांवों को देश का आखिरी गांव कहते हैं। ये लोग सीमावर्ती जिलों कोए गांवों को जान.बूझकर विकास से वंचित रखते थे। उन्होंने कहा कि हम सीमावर्ती इलाकों कोए सीमावर्ती गांवों को आखिरी गांव नहींए देश का प्रथम गांव मानते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे लिए देश की सीमाएं यहां पूरी नहीं होतीए हमारे लिए यहां से देश शुरू होता है। आज अगर देश में 4 करोड़ गरीबों को पीएम आवास मिले हैंए तो मेरे बाड़मेर में भी पौने 2 लाख गरीबों को पक्के आवास का लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार देश की आखिरी सीमा तक सड़कें और हाइवे बना रही है। हमने बाड़मेर में मेडिकल कॉलेज भी खोला है। आज सीमावर्ती बाड़मेर में 72ए000 करोड़ रुपये लागत की रिफाइनरी शुरू होने जा रही है। आने वाले समय में इस इलाके में रोजगार के अवसर पैदा होंगेए युवाओं के लिए नए रास्ते बनेंगे। उन्होंने कहा कि यहां के एयरपोर्ट में भी पिछली सरकार ने जमकर रोड़े अटकाए थे। अगर कांग्रेस ने बेवजह ब्रेक न लगाया होताए तो यहां का एयरपोर्ट 2 साल पहले ही चालू हो जाता।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने जिन लोगों को दशकों तक नहीं पूछाए मोदी उनको पूजता है। हमारे आदिवासी समाज के बच्चे आगे बढ़ेंए इसके लिए हम एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय खोल रहे हैं। आदिवासी समाज को सिकल सेल एनीमिया से मुक्ति दिलाने के लिए हम अभियान चला रहे हैं। ैब्ध् ैज् और व्ठब् भाई.बहनों के साथ दशकों तक भेदभाव करने वाली कांग्रेस आजकल एक पुराना रिकॉर्ड बजा रही है। जब भी चुनाव आता हैए संविधान के नाम पर झूठ बोलना प्छक्प् अलायंस के सभी दलों का फैशन बन गया है। उन्होंने कहा कि वो कांग्रेसए जिसने बाबा साहब के जीते.जी उन्हें चुनाव हरवायाए उन्हें भारत रत्न नहीं मिलने दियाए जिसने देश में आपातकाल लगाकर संविधान को खत्म करने की कोशिश की। आज वो मोदी को गाली देने के लिए संविधान के नाम पर झूठ की आड़ ले रही है।

उन्होंने कहा कि ये मोदी ही हैए जिसने देश में पहली बार संविधान दिवस मनाना शुरू किया। मोदी ने ही बाबा साहब से जुड़े पंच.तीर्थों का विकास किया। इसलिएए बाबा साहब और संविधान का अपमान करने वाले कांग्रेस और प्छक्प् अलायंस के झूठों से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मेनिफेस्टो में तो बंटवारे की गुनहगार मुस्लिम लीग की छाप है। अब इंडी अलायंस में शामिल एक और दल ने देश के खिलाफ बहुत खतरनाक ऐलान किया हैण्ण्ण् जिस पोखरण की धरती ने भारत को परमाणु शक्ति से संपन्न कियाए अब प्छक्प् अलायंस का कहना है कि हम भारत के परमाणु हथियार नष्ट कर देंगे। भारत जैसा देशए जिसके दो.दो पड़ोसियों के पास परमाणु हथियार होए उस भारत के परमाणु हथियार प्छक्प् अलायंस नष्ट करना चाहता है। ये कैसा गठबंधन हैए जो भारत को शक्तिहीन करना चाहता है?

लोकतंत्र को नोट तंत्र के माध्यम से खरीदना चाहती है कांग्रेस, नकुलनाथ पर कैलाश विजयवर्गीय का वार

१२/०४ (संवाददाता): मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पूर्व मु यमंत्री कमल नाथ के बेटे और छिंदवाड़ा संसदीय सीट से कांग्रेस उ मीदवार नकुल नाथ पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि नकुल नाथ श्नोट.तंत्रश् के जरिए श्लोकतंत्रश् खरीदने की कोशिश कर रहे हैं। मंत्री ने मीडिया से बात करते हुए टिप्पणी की और भारत के चुनाव आयोग ;ईसीआईद्ध से नाथ के घर का निरीक्षण करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों से कुछ जगहों पर शराब बांटी जा रही है और हमने इसकी शिकायत की है। कांग्रेस नेता गिरीश साहू के पास से 4ण्94 लाख रुपये नकद बरामद किये गये और जिन नामों पर उन्होंने पैसे लिये थेए उनकी सूची भी बरामद की गयी। उनके साथ तीन और कांग्रेस कार्यकर्ता थे जो भाग गये। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मुझे

लगता है कि वे ;कांग्रेसद्ध श्नोट.तंत्रश् के जरिए श्लोकतंत्रश् खरीदने की कोशिश कर रहे हैं।श् नकुलनाथ बीजेपी से बिल्कुल डरे हुए हैं। मुझे लगता है कि उन्हें ;नाथ कोद्ध अपनी हार साफ दिख रही हैए इसीलिए उन्होंने नोट.तंत्र का सहारा लियाए कुछ जगहों पर बर्तन और शराब बांटे। उन्होंने कहा कि अहीर समुदाय के कुछ लोगों ने मुझसे मुलाकात की और कहा कि उन्हें 15 लाख रुपये के मंगल भवन की पेशकश की गई थीए जिसे कांग्रेस नेता ने कहा था कि यह उनके लिए बनाया जाएगा। इस तरह नकुलनाथ श्नोट.तंत्रश् के जरिए श्लोकतंत्रश् खरीदने की कोशिश कर रहे हैं। हम ईसीआई से उनके घर का निरीक्षण करने का अनुरोध करेंगे क्योंकि हमें जानकारी मिली है कि उनके आवास पर नोटों के बंडल हैं जिनका उपयोग वह मतदाताओं को रिश्वत देने के लिए कर रहे हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि वह चुनाव आयोग से छिंदवाड़ा लोकसभा को संवेदनशील संसदीय सीट घोषित करने और उनके ;नाथद्ध वाहनों की नियमित जांच सुनिश्चित करने की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह से कांग्रेस और नकुलनाथ इस चुनाव में पैसे का इस्तेमाल कर रहे हैंए हम चुनाव आयोग से मांग करेंगे कि पूरी छिंदवाड़ा लोकसभा को संवेदनशील संसदीय सीट घोषित किया जाए और उनके वाहनों की नियमित जांच की जाए। क्योंकि खूब शराबए बर्तन और नकदी बांटी जा रही है। यह लोकतंत्र की हत्या है और मेरा मानना ??है कि ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। राज्य की पांच अन्य संसदीय सीटों के साथ छिंदवाड़ा में 19 अप्रैल को पहले चरण में मतदान होगा। इस सीट से बीजेपी उ मीदवार विवेक बंटी साहू का मुकाबला कांग्रेस के नकुल नाथ से है।

अब सुस्त पड़ गई है कांग्रेस, पहाड़ चढ़ने की उसकी ताक़त नहीं रही-राजनाथ सिंह

गौचर १२/०४ (संवाददाता): केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तराखंड के गौचर में जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान राजनाथ ने कहा कि सेना के प्रति हमारे प्रधानमंत्री के मन में कितना स मान है ये उत्तराखंड को बताने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं जब उत्तर प्रदेश का मु यमंत्री था उसी समय उत्तर प्रदेश का विभाजन हुआ और उत्तराखंड अलग राज्य बना। उस समय भी पूर्व सैनिकों के द्वारा ये मांग होती थी कि श्वन रैंकए वन पेंशनश् लागू की जाने चाहिए। 2013 में जब

प्रधानमंत्री मोदीए पीएम पद के लिए उ मीदवार घोषित हुए तो उस समय पार्टी का अध्यक्ष मैं ही था। रक्षा मंत्री ने कहा कि हरियाणा की एक बड़ी सभा में जाकर पीएम मोदी ने घोषणा की थी कि अगर हमारी सरकार बनेगी तो हम श्वन रैंकए वन पेंशनश् लागू करेंगे। सरकार बनते ही उन्होंने जरा भी देरी नहीं की और श्वन रैंकए वन पेंशनश् लागू कर दिया।ष् उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती थी सड़क मत बनाओए सुविधाओं का विकास मत करो नहीं तो पाकिस्तान घुस जाएगा. चीन घुस आएगा। मोदीजी के प्रधानमंत्री बनने के बाद सीमाओं पर सभी सुविधाओं का विकास हुआ है। हमने सीमाओं पर पड़ने वाले गाँवों में को अंतिम गाँव नहीं पहला गाँव माना है। यह नज़रिये का अंतर है। राजनाथ ने तंज करते हुए कहा कि कांग्रेस अब सुस्त पड़ गई है। अब उनकी पहाड़ चढ़ने की ताक़त नहीं रह गई है। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड की पवित्र धरती को नमन करता हूँ। गढ़वाल से लेकर कुमायूँ के अंतिम छोर तक इस उत्तराखण्ड के कण.कण में देवताओं का आशीर्वाद मिला हुआ है। यह देवभूमि वीरभूमि भी है।

तीन दशक की तपस्या का परिणाम है राम मंदिर का निर्माण-भागवत

नयी दिल्ली १२/०४ (संवाददाता):राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ;आरएसएसद्ध के सर संघचालक मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण 30 साल की तपस्या और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने यहां दत्ताजी भाले स्मृति समिति कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में कहा कि पूरा देश राम लला की प्रतिमा स्थापित होने से अभिभूत है। भागवत ने अपने भाषण में कहाए ष्लोगों ने राम मंदिर निर्माण के लिए धन दिया। यह 30 साल के संघर्ष के बाद

संभव हो पाया। हम 500 सालों से राम जन्मभूमि पर मंदिर चाहते थे। लोग चंदा देने को तैयार थे और पूरा देश मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के समय अभिभूत था। आरएसएस प्रमुख ने कहाए ष्कई लोगों की तपस्या और समर्पण से यह प्राप्त हुआ।

अगली सूचना तक ईरान या इजरायल की यात्रा न करें-विदेश मंत्रालय

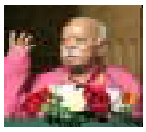

नयी दिल्ली १२/०४ (संवाददाता): भारत सरकार ने शुक्रवार को इज़राइल या ईरान की यात्रा करने की योजना बना रहे भारतीयों के लिए एक यात्रा सलाह जारी की। विदेश मंत्रालय ;एमईएद्ध ने सभी भारतीयों को अगली सूचना तक ईरान या इज़राइल की यात्रा न करने की सलाह दी।

यह मध्य पूर्व में सैन्य वृद्धि के बढ़ते खतरे के बीच आया है। विदेश मंत्रालय ने उन सभी लोगों से भी आग्रह किया जो वर्तमान में ईरान या इज़राइल में रह रहे हैंए वे वहां भारतीय दूतावासों से संपर्क करें और अपना पंजीकरण कराएं। एडवाइजरी में कहा गया हैए उनसे यह भी अनुरोध किया जाता है कि वे अपनी सुरक्षा के बारे में अत्यधिक सावधानी बरतें और अपनी गतिविधियों को न्यूनतम तक सीमित रखें।

इसके साथ ही भारत अपने नागरिकों को इजराइल या ईरान की यात्रा के प्रति आगाह करने में फ्रांस के साथ शामिल हो गया है। सीरिया में ईरानी दूतावास पर इजरायली हवाई हमले के बाद पश्चिम एशियाई देशों में व्यापक युद्ध का तनाव बढ़ गया है। घटना के बादए तेहरान ने इज़राइल से हमले का बदला लेने की कसम खाई है और अमेरिका से श्हटनेश् के लिए कहा है।

केरल में मजबूत खिलाड़ी बन कर उभरी है भाजपा-शशि थरूर

तिरुवनंतपुरम १२/०४ (संवाददाता): कांग्रेस सांसद और केरल की तिरुवनंतपुरम सीट से उ मीदवार शशि थरूर ने शुक्रवार को कहा यह आश्चर्य की बात नहीं है कि भारतीय जनता पार्टी ;भाजपाद्ध लोकसभा सीट पर ष्एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में उभरी हैष्। थरूर ने कहा कि पिछले दो चुनावों में उनकी राय में बीजेपी दूसरे नंबर की पार्टी बनकर उभरी है। उन्होंने कहा कि मैंने 2009 में जो पहला चुनाव लड़ा थाए उसमें मैंने क युनिस्टों से सीट ली थी... लेकिन उसके बाद बीजेपी दूसरे नंबर पर आ गई।

कांग्रेस नेता ने कहा कि इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि वे एक मजबूत खिलाड़ी बन गए हैं। क युनिस्टों का अभियान फीका रहा हैण्ण्ण्जबकि भाजपा इस निर्वाचन क्षेत्र में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि उनका मानना ??है कि ष्बीजेपी इस

बार क युनिस्टों से आगे रह सकती है।ष् उन्होंने कहा कि वह ;भाजपाद्ध इस दौड़ को गंभीरता से ले रही है।

सच कहें तो यह केरल में बीजेपी की सबसे मजबूत सीट है। इसलिए अगर उन्हें कोई उ मीद है तो वह यहीं हैण्ण्ण् हम भी उतने ही जोश और आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी कर रहे हैं।श

भाजपा ने केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर को कांग्रेस के शशि थरूर के गढ़ तिरुवनंतपुरम से लोकसभा चुनाव के लिए उ मीदवार बनाया है। थरूर ने कहा कि भाजपा उ मीदवार को ष्यहां ;तिरुवनंतपुरमद्ध हलफनामे के कारण वास्तविक धारणा की लड़ाई का सामना करना पड़ रहा है।ष् उन्होंने आरोप लगाया कि श्बीजेपी उ मीदवार के हलफनामे से पता चलता है कि वह अरबपति हैं जो टैक्सी ड्राइवरों की तुलना में कम टैक्स दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए केरल मेंए हम अपना कर चुकाते हैंए हम इस तरह की चीजें देखना पसंद नहीं करतेण्ण्ण् इसलिए उन्हें हिंदुत्व मुद्दे और सांप्रदायिक बोझ से परे एक अलग तरह की चुनौती मिली है।

के कविता को नहीं मिली राहत, 15 अप्रैल तक बढ़ी सीबीआई हिरासत

नयी दिल्ली १२/०४ (संवाददाता): दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले में भारत राष्ट्र समिति ;बीआरएसद्ध नेता के कविता को 15 अप्रैल ;सोमवारद्ध तक सीबीआई रिमांड पर भेज दिया। उन्हें कल केंद्रीय जांच ब्यूरो ने गिर तार किया था। केंद्रीय जांच ब्यूरो ;सीबीआईद्ध ने के कविता से हिरासत में पूछताछ की मांग करते हुए कहा कि उन्होंने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले के संबंध में आम आदमी पार्टी ;आपद्ध को रिश्वत के भुगतान के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं दिया। के कविता को ईडी मामले में न्यायिक हिरासत में रहने के दौरान सीबीआई ने गिर तार किया था। सीबीआई रिमांड आवेदन में कहा गया है कि ष्सुश्री

कविता कल्वाकुंतला को तत्काल मामले में गिर तार करने की आवश्यकता थी ताकि उनसे हिरासत में पूछताछ की जा सके ताकि उन्हें साक्ष्यों और गवाहों के साथ सामना कराया जा सके ताकि उत्पाद शुल्क नीति के निर्माण और कार्यान्वयन के संबंध में आरोपीध्संदिग्ध व्यक्तियों के बीच रची गई बड़ी साजिश का पता लगाया जा सकेए साथ ही गलत तरीके से अर्जित धन का पता लगाने और लोक सेवकों सहित अन्य आरोपीध्संदिग्ध व्यक्तियों की भूमिका स्थापित करने के साथ.साथ उन तथ्यों का पता लगाने के लिए जो उसके विशेष ज्ञान में हैं। जुलाई 2021 में ऑरबिंदो ग्रुप के तहत आने वाली कंपनियों में से एक ने बैंक खाते से लेनदेन के माध्यम से कुल 14 करोड़ रुपये का भुगतान कियाए जिसमें 7 करोड़ रुपये का भुगतान जुलाई 2021 के पहले सप्ताह में किया गया और शेष 7 करोड़ रुपये का भुगतान नवंबर 2021 के मध्य में किया गया। के कविता की हिरासत की मांग करते हुए सीबीआई ने अदालत से यह बात कही। आगे यह भी पता चला है कि नवंबर.दिसंबर 2021 मेंए के कविता ने सरथ चंद्र रेड्डी को उन्हें आवंटित पांच खुदरा क्षेत्रों के लिए पहले तय किए गए प्रति क्षेत्र 5 करोड़ रुपये की दर से 25 करोड़ रुपये का भुगतान करने के लिए कहाए क्योंकि उन्होंने दावा किया था कि वह उन्होंने उत्पाद शुल्क नीति में अनुकूल प्रावधान प्राप्त करने के लिए आरोपी विजय नायर के माध्यम से हमारी ओर से आम आदमी पार्टी को अग्रिम धनराशि के रूप में 100 करोड़ रुपये का भुगतान किया था और अपने सहयोगियों अरुण आर पिल्लई और अभिषेक बोइनपल्ली के माध्यम से भी इसे आगे बढ़ाया था।बुधवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो ने दिल्ली की संबंधित अदालत को अवगत कराया कि बीआरएस नेता के कविता से उत्पाद शुल्क नीति मामले में 6 अप्रैल को तिहाड़ जेल में पूछताछ की जा चुकी है। 5 अप्रैलए 2024 कोए दिल्ली कोर्ट ने आने वाले सप्ताह के किसी भी दिन तिहाड़ जेल में न्यायिक हिरासत के दौरान के कविता से पूछताछ करने की सीबीआई की याचिका को स्वीकार कर लिया था। नेता के कविता ने बुच्ची बाबू के फोन से बरामद व्हाट्सएप चैट और भूमि सौदे के दस्तावेजों के बारे में बतायाए जिसमें कथित तौर पर आम आदमी पार्टी को रिश्वत में 100 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था।

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/
Kalinga pg-1 for 13-APR.pmd 1 4/13/2024, 1:32 PM

विविध समाचार

नीतीश के निशाने पर रहा लालू-राबड़ी राज, बोले- वे केवल सत्ता और संपत्ति का आनंद लेना चाहते हैं

पटना १२/०४ (संवाददाता): बिहार के मु यमंत्री नीतीश कुमार आज अपने पुराने रंग में नजर आए। भाजपा से हाथ मिलाने के बाद उनके निशाने पर एक बार फ्रि से लालू प्रसाद यादव और राबड़ी आ गए हैं। नीतीश कुमार ने आज से लोकसभा चुनाव का प्रचार शुरू किया है। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी दोनों पूर्व मु यमंत्रियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि बिहार में 15 साल तक पति.पत्नी का शासन रहा। नवादा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुएए बिहार के मु यमंत्री ने कहा कि राजद और एनडीए 2005 से एक साथ हैंए जबकि पिछले दो दशकों में उनकी साझेदारी कई बार तनाव में थी। नवादा से भाजपा ने विवेक ठाकुर को अपना उ मीदवार बनाया है। नीतीश ने कहा कि आप जानते हैं कि नवंबर 2005 से जब हमें मौका मिला तो हमने बीजेपी के साथ मिलकर काम करना शुरू कर दिया। बीच में दो जगह हम इधर उधर हो गएए लेकिन फ्रि वापस हो गएए अब इधर उधर हम होनेवाले नहीं हैं। हम शुरू से ही साथ काम कर रहे हैं। विपक्ष पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि पहले बिहार में क्या थाघ् 15 साल तक पति.पत्नी का राज रहा। क्या आपको वो दिन याद हैं जब कोई भी शाम के समय अपने घर से बाहर नहीं निकल पाता था। हम सांसद थे और केंद्र में मंत्री थेए तब भी हमें अपने संसदीय क्षेत्र में जाने के लिए पैदल जाना पड़ता थाए क्योंकि वहां सड़कें नहीं थीं।

राज्य में महागंठबंधन ;महागठबंधनद्ध में कांग्रेस और अन्य दलों के साथ एक संक्षिप्त कार्यकाल के बादए जदयू एनडीए में लौट आया और इस साल की शुरुआत में भाजपा से हाथ मिला लिया। इस बदलाव के कारण नीतीश कुमार ने नौवीं बार बिहार के मु यमंत्री के रूप में शपथ ली। नीतीश कुमार इससे पहले अगस्त 2022 में महागठबंधन में शामिल हो गए थे और कांग्रेस और राजद के समर्थन से नई सरकार बनाई थी। यह बताते हुए कि नीतीश कुमार इस साल एक बार फ्रि एनडीए में क्यों शामिल हुएए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पार्टी गठबंधन में उनका वापस स्वागत करके खुश है और उन पर भ्रष्टाचार का कोई दाग नहीं है।उन्होंने कहा कि हमारे सत्ता संभालने से पहले बिहार में क्या थाघ् बुनियादी ढांचा अस्त.व्यस्त था। सत्ता संभालने के बाद चीजें बेहतर होने लगीं। अबए हमें केंद्र से बहुत समर्थन मिल रहा है। हमेशा खुद को एक ष्धर्मनिरपेक्षष् नेता के रूप में पेश करने वाले कुमार ने कहाए ष्जब तक हम सत्ता में नहीं आए और चीजों को व्यवस्थित नहीं कियाए तब तक बिहार में बहुत सारे हिंदू.मुस्लिम झगड़े होते थे। अल्पसं यक समुदाय के लिए मेरे कार्यकाल में बहुत कुछ किया गया।

मुझे उ मीद है कि मेरे कार्यकाल के दौरान किया गया यह सबकुछ सिर्फ इसलिए नहीं भुला दिया जाएगा कि मैं फ्रि से भाजपा के साथ हूं।ष् जदयू अध्यक्ष ने वर्ष 2015 में और फ्रि 2022 में कट्टर प्रतिद्वंद्वी लालू प्रसाद की राष्ट्रीय जनता दल ;राजदद्ध के साथ अल्पकालिक गठबंधन किया।

प्रसाद पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए जदयू प्रमुख ने कहा कि कोई भी उनके परिवार के करीबी सदस्यों के नाम तक नहीं जानता। जदयू प्रमुख ने राजद अध्यक्ष के बेटों पूर्व उपमु यमंत्री तेजस्वी यादव और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव और उनकी बेटियों ;मीसा भारती और रोहिणी आचार्यए जो क्रमश: पाटलिपुत्र और सारण से राजद उ मीदवार हैंद्ध की ओर इशारा करते हुए कहाए ष्जरा देखें कि परिवार के कितने सदस्यों ने सत्ता का आनंद लिया है और कितनों को टिकट मिला है।ष् राजद प्रमुख और उनके परिवार के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की ओर इशारा करते हुए कुमार ने कहाए ष्वे सत्ता और संपत्ति का आनंद लेना चाहते हैं। दूसरी ओरए कोई भी मुझ पर मु यमंत्री के रूप में अपने 18 वर्षों में गलत तरीके से एक पैसा कमाने का आरोप नहीं लगा सकता है।ष् कुमार ने सरकारी विभागों में बड़े पैमाने पर भर्तियों का श्रेय लेने का दावा करने के लिए पूर्व उपमु यमंत्री तेजस्वी यादव पर प्रहार करते हुए कहाए ष्उनके ;तेजस्वीद्ध आने से पहले लिए गए नीतिगत निर्णयों के अनुरूप भर्तियां हो रही थीं।

नेशनल क्रश बहुत होंगे लेकिन नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर है नेशनल ट्रस्ट-अनुराग ठाकुर

हमीरपुर १२/०४ (संवाददाता): सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि देश में कई नेशनल क्रश ;देश के आकर्षण का केंद्र होंगे लेकिन केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर ष्नेशनल ट्रस्ट ;राष्ट्रीय भरोसाद्धष् है। हमीरपुर लोकसभा सीट से भाजपा के उ मीदवार ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी न केवल देश के बल्कि दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। उन्होंने हमीरपुर के गांधी चौक पर एक रैली को संबोधित करते हुए कहाए ष्पूरा भारत आज लोकतंत्र के महान उत्सव को पूरे उत्साह के साथ मना रहा है। देश में कई ष्नेशनल क्रशष् होंगे लेकिन भरोसे की गारंटी केवल मोदी देते हैं।ष् मंत्री ने कहा कि जनता आज केवल प्रधानमंत्री मोदी और उनकी गारंटी पर भरोसा करती है।

ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस और उसके वादों की पूरे देश में पोल खुल चुकी है और हिमाचल प्रदेश कोई अपवाद नहीं है जहां पार्टी महिलाओं को प्रति माह 1ए500 रुपये देनेए 100 रुपये प्रति लीटर दूध खरीदने और युवाओं को पांच लाख नौकरियां देने के अपने वादे को पूरा करने में विफ्ल रही है।

उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से कांग्रेस और उसके नेताओं के कारनामों को उजागर करने का आह्वान करते हुए कहा कि भाजपा एक कैडर आधारित पार्टी है और वह राज्य की सभी सीटें जीतेगी। ठाकुर ने कहा कि आज की रैली ने साबित कर दिया है कि भाजपा पूरी तरह से एकजुट है और पुराने और नए कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच कोई मतभेद नहीं हैए जबकि दूसरी ओर कांग्रेस विभाजित हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि यही कारण है कि कांग्रेस अपने उ मीदवारों के नामों की घोषणा नहीं कर सकी है। उन्होंने कहाए ष्राज्यसभा चुनाव के बाद जो नेता भाजपा में शामिल हुए थेए उन्हें आगामी विधानसभा उपचुनाव के दौरान पूरा समर्थन दिया जाना चाहिए।ष् रैली में भाजपा के प्रदेश प्रमुख राजीव बिंदलए पूर्व मु यमंत्री जयराम ठाकुरए कांग्रेस के बागी और अब भाजपा उ मीदवार राजेंद्र राणा और आईडी लखनपाल तथा हाल में पार्टी में शामिल हुए निर्दलीय विधायक आशीष शर्मा शामिल हुए।

बंगाल आतंकियों के लिए सुरक्षित पनागाह-बीजेपी

कोलकाता १२/०४ (संवाददाता): बीजेपी ने ममता सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बंगाल आतंकियों के लिए जन्नत है। बीजेपी के मीडिया सेल के हेड अमित मालवीय ने कहा कि एनआईए ने रामेश्वरम कैफे विस्फोट में दो मु य संदिग्धोंए हमलावर मुसाविर हुसैन शाजिब और साथी अब्दुल मथीन अहमद ताहा को कोलकाता से हिरासत में लिया। दोनों संभवत: कर्नाटक के शिवमोग्गा में आईएसआईएस सेल से संबंधित हैं। मालवीय ने ममता सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पश्चिम बंगालए दुर्भाग्य से ममता बनर्जी के नेतृत्व मेंए आतंकवादियों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह बन गया है।

बंगाल पुलिस ने एक्स पर अमित मालवीय के सवाल पर जवाब देते हुए ट्वीट किया कि अमित मालवीय के दावों के विपरीत तथ्य यह है किए पश्चिम बंगाल पुलिस और केंद्रीय खुफ्यिा एजेंसियों के संयुक्त अभियान में पूर्व मेदिनीपुर से रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में दो संदिग्धों को गिर तार किया गया है। इस मामले में डब्ल्यूबीपी की सक्रिय भूमिका को केंद्रीय एजेंसियों ने आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया है। पश्चिम बंगाल कभी भी आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह नहीं रहा है और राज्य पुलिस अपने लोगों को नापाक गतिविधियों से सुरक्षित रखने के लिए हमेशा सतर्क रहेगी।

बंगाल पुलिस के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए अमित मालवीय ने पूछा कि पश्चिम बंगाल के मु यमंत्री और गृह मंत्री कौन हैंघ् क्या ममता बनर्जी ने इस्तीफ्ा दे दिया है या कानून.व्यवस्था पर अपने खराब ट्रैक रिकॉर्ड का बचाव करने में अक्षम हैंघ् हर बार उसके पास कोई जवाब नहीं होताए जो अक्सर होता हैए वह बंगाल पुलिस के पीछे छिप जाती हैं।

भारत में विचारधारा की लड़ाई चल रही-राहुल गांधी

चेन्नई १२/०४ (संवाददाता): कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि आज भारत में विचारधारा की लड़ाई चल रही है। एक तरफ पेरियारए सामाजिक न्यायए स्वतंत्रता और समानता के विचार हैंए दूसरी तरफ नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार के विचार हैं। नरेंद्र मोदी कहते हैं. एक राष्ट्रए एक नेताए एक भाषा। तमिल भाषा किसी भी अन्य भारतीय भाषा से कम नहीं है। इस देश में कई अलग.अलग भाषाएँ और संस्कृतियाँ हैं और सभी हमारे लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। मुझे तमिलनाडु आना बहुत पसंद है। मैं तमिलनाडु के लोगों से प्यार करता हूं। मेरे लिएए तमिलनाडु के लोगए इसकी संस्कृतिए इतिहास और भाषा सबसे महान शिक्षक हैं। जब भी मैं भारत को समझना चाहता हूंए मैं महान तमिल कवियोंए आपके इतिहासए आपकी परंपराओं और शेष विश्व पर आपके प्रभाव को देखता हूं। यह मेरे लिए एक दर्पण की तरह काम करता हैए जिसके माध्यम से मैं भारत को समझ सकता हूं। आपने बाकी देश को दिखाया है कि सामाजिक न्याय के रास्ते पर कैसे चलना है। और इसलिए हमने यहां से भारत जोड़ो यात्रा शुरू की। मैं जब भी इस महान भूमि पर आता हूंए विनम्रता के साथ आता हूंए आपके अतीत और परंपराओं के प्रति सिर झुकाकर आता हूं। क्योंकि केवल एक चीज जो मेरे जैसा व्यक्ति कर सकता है वह है आपकी परंपराओं और इतिहास से सीखना। साथ हीए तमिल लोगों ने मुझ पर और मेरे परिवार पर हमेशा प्यार और स्नेह बरसाया है।

नरेंद्र मोदी पर तेजस्वी का पलटवार, बोले- वास्तविक मुद्दे के बारे में नही कर रहे बात

पटना १२/०४ (संवाददाता): राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर उस समय पलटवार कियाए जब उन्होंने श्सावनश् और नवरात्रि के शुभ महीनों के दौरान कथित तौर पर मांसाहारी भोजन करने के लिए विपक्ष की श्मुगल मानसिकताश् की आलोचना की। ज मू.कश्मीर के उधमपुर में एक चुनावी रैली के दौरानए मोदी ने यह भी कहा कि उन्हें पता था कि उनके बयान के बाद विरोधी ष्गोली.बारूदष् और गालियों के साथ उनके पीछे पड़ जाएंगे। लेकिन ष्लोकतंत्र में लोगों को स्थितियों का वास्तविक पक्ष दिखाना उनका कर्तव्य हैष।

बिहार के पूर्व उपमु यमंत्री ने लोकसभा चुनाव 2024 से पहले पार्टी के प्रचार अभियान के दौरान गया में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि आपको ये समझना होगा कि वो मुद्दों पर नहीं बोल रहे हैं। क्या उन्होंने बिहारए उसके युवाओंए किसानों और बड़े पैमाने पर पलायन के मुद्दों पर बात कीघ् ण्ण्ण्गरीबीए बेरोजगारी और कितनी नौकरियाँ प्रदान की गईं जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की आवश्यकता है। पीएम मोदी ने गरीबी क्यों नहीं मिटाई बिहार को विशेष राज्य का दर्जा क्यों नहीं दियाघ

हाल ही में तेजस्वी यादव का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वह विकासशील इंसान पार्टी ;वीआईपीद्ध प्रमुख मुकेश सहनी के साथ मछली खाते नजर आ रहे थे। श्नवरात्रि के दौरान नॉनवेजश् खाने पर हमला होने के बादए तेजस्वी यादव ने दावा किया कि वीडियो 8 अप्रैल का थाए और उन्होंने जानबूझकर भाजपा नेताओं के ष्आईक्यूष् की जांच करने के लिए इसे देर से पोस्ट कियाए जिनके पास ष्कोई ज्ञान नहीं है और कभी भी बेरोजगारीए प्रवासन और गरीबी जैसे वास्तविक मुद्दे के बारे में बात नहीं की।ष

इससे पहले शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के लिए प्रचार करते हुए उधमपुर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहाए श्कांग्रेस और इंडिया गुट को अधिकांश भारतीयों की भावनाओं की परवाह नहीं है। लोगों की भावनाओं से खेलना पसंद है।

उनके एक नेता ने सावन के महीने में मटन पकाने के लिए एक सहयोगी से मुलाकात की . जो एक दोषी है और जमानत पर बाहर है। उन्होंने वीडियो शूट करके भारतीयों की आस्था को भी भड़काया। मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर स्पष्ट रूप से कटाक्ष करते हुए कहा। पिछले साल सितंबर में राहुल गांधी का राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के साथ उनके नई दिल्ली स्थित आवास पर चंपारण मटन पकाने का एक वीडियो वायरल हुआ था।

कोलकाता से गिरफ्तार संदिग्धों की 3 दिन की ट्रांजिट रिमांड एनआईएको मिली

नयी दिल्ली १२/०४ (संवाददाता): बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट मामले में एनआईए को शुक्रवार को मास्टरमाइंड समेत दो प्रमुख संदिग्धों अदबुल मथीन ताहा और मुसाविर हुसैन शाज़ेब की तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड दी गई। बेंगलुरु कैफे विस्फोट मामले के दो आरोपियों की मेडिकल जांच शुक्रवार को यहां एक मेट्रोपॉलिटन अदालत में पेश करने से पहले एक सरकारी अस्पताल में करायी गई। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण ;एनआईएद्ध के एक वकील ने कहा कि उन्हें ट्रांजिट रिमांड के लिए बैंकशाल अदालत ले जाया गया। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण ;एनआईएद्ध ने बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में हुए विस्फोट मामले में मु य साजिशकर्ता समेत दो आरोपियों को गिर तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आरोपियों मुसव्विर हुसैन शाजिब और ए मथीन अहमद ताहा का कोलकाता के पास एक ठिकाने में मौजूद होने का पता चला जिसके बाद एनआईए की टीम ने उन्हें पकड़ लिया। अधिकारियों ने कहा कि शाजिब ने कैफे में विस्फोटक रखा था और ताहा विस्फोट की योजना बनाने और उसे अंजाम देने का मु य साजिशकर्ता है।

गहरे आर्थिक संकट में है केरल, बदलाव के लिए वोट करेंगे यहां के लोग-अनिल के एंटनी

तिरुवनंतपुरम १२/०४ (संवाददाता):केरल के पथानामथिट्टा से भाजपा उ मीदवार अनिल के एंटनी लगातार चुनावी प्रचार में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि मैं लगभग 5 सप्ताह पहले यहां आया था और हमारे सामाजिक वर्ग के लोगों के साथ बातचीत कर रहा हूं। यहां एक बात तो साफ है कि लोग बदलाव चाहते हैं। केरल इस समय गहरे आर्थिक संकट में है। यह निर्वाचन क्षेत्र राज्य में सबसे अविकसित है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि इसमें एक भी आईटी पार्क या औद्योगिक सेट.अप नहीं है और एक भी केंद्र सरकार पीएसयू समर्थित इकाई नहीं है।

कांग्रेस ने भाजपा में आए नेता ने कहा कि मुझे आश्चर्य है कि पिछले 15 वर्षों में वहां का सांसद क्या कर रहा थाघ् यहां के लोग विकास और प्रगति चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने उन लोगों से बातचीत की है जिन्होंने वर्षों से कांग्रेसए सीपीआई.एम और केरल कांग्रेस को वोट दिया है। उन्होंने कहा है कि इस बार वे बदलाव के लिए वोट करेंगे। हमें विश्वास है कि हम पथानामथिट्टा में इतिहास रचेंगे। 9 अप्रैल को दिग्गज कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय रक्षा मंत्री एके एंटनी ने कामना की कि उनके बेटे और बीजेपी नेता अनिल के एंटनी चुनाव हार जाएं। पिछले साल भाजपा में शामिल हुए अनिल केरल की पथानामथिट्टा सीट से आगामी लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं।तिरासी वर्षीय एके एंटनीए जो केरल के मु यमंत्री भी रह चुके हैंए ने अपने बेटे की राजनीति के बारे में बार.बार पूछे गए सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह हमेशा कांग्रेस के वफ्रादार रहे हैं और कांग्रेस पार्टी उनका श्धर्मश् रही है। कांग्रेस ने पथानामथिट्टा सीट से बीजेपी के अनिल एंटनी के खिलाफ एंटो एंटनी को मैदान में उतारा है। कांग्रेस पार्टी के साथ अपने लंबे जुड़ाव मेंए वरिष्ठ एंटनी पूरी तरह से कांग्रेस के वफ्रादार नहीं रहे हैं। अपने बेटे की तरहए उन्हें भी सबसे पुरानी पार्टी से दिक्कतें रही हैं। यहाँ एक स्मरण है।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND &CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/
Kalinga pg-2 for 13-APR.pmd 4/13/2024, 2:10 PM

विविध समाचार

हिंदू नववर्ष पर जरूर निभाएं ये शुभ परंपराएं

गुड़ी पड़वा की शुरुआत चैत्र प्रतिपदा से होती है और इसी दिन से चैत्र नवरात्रि का प्रारंभ भी हो जाता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार इस बार नववर्ष का प्रारंभ 09 अप्रैल को हो रहा है। इसे विक्रम संवत भी कहते हैं, जो प्राचीन हिन्दू पंचांग और कैलेंडर पर आधारित है। राजा विक्रमादित्य ने खगोलविदों की मदद से इसे व्यवस्थित करके प्रचलित किया था। इसे नवसंवत्सर भी कहते हैं। आइये जानते हैं इसकी 5 शुभ मान्यताएं।

घर की सजावट

सूर्योदय से पूर्व उठकर घर की साफ सफाई करने के बाद घर को तोरण, मांडना या रंगोली आदि से सजाया जाता है। इस दिन नव संवत्सर का पूजन, नवरात्र घटस्थापना, ध्वजारोपण आदि विधि-विधान किए जाते हैं। प्रत्येक राज्य में इस पर्व को वहां की स्थानीय संस्कृति और परंपरा के अनुसार मनाते हैं।

ध्वजा लहराना और गुड़ी लगाना

लोग प्रातः जल्दी उठकर शरीर पर तेल लगाने के बाद स्नान करते हैं। स्नान आदि से निवृत होने के बाद मराठी समाज गुड़ी को सजाकर उसकी पूजा करके घर के द्वार पर ऊंचे स्थान पर उसे स्थापित करते हैं, जबकि अन्य समाज के लोग धर्म ध्वजा को मकान के सार लहराते हैं। गुड़ी पड़वा दो शब्दों से मिलकर बना है जिसमें गुड़ी का अर्थ होता है विजय पताका और पड़वा का मतलब होता है प्रतिपदा। इस दिन सभी हिन्दू अपने घरों पर भगवा ध्वज लहराकर उसकी पूजा करते हैं। इस कार्य को विधि पूर्वक किया जाता है जिसमें किसी भी प्रकार की गलती नहीं करना चाहिए।

पारंपरिक व्यंजन

इस दिन श्रीखंड का सेवन करके ही दिन की शुरुआत करते हैं। इसी के साथ घर आए मेहमानों को श्रीखंड खिलाया जाता है और श्रीखंड का वितरण भी किया जाता है। ऐसा करना बहुत शुभ माना जाता है। इसी के साथ इस दिन पारंपरिक व्यंजन तैयार किए जाते हैं जैसे पूरन पोली, पूरी और मीठे चावल जिन्हें लोकप्रिय रूप से सक्कर भात कहा जाता है। हर प्रांत के अपने अलग व्यंजन होते हैं।

जुलूस का आयोजन और मिलन समारोह

इस दिन जुलूस का आयोजन भी होता है। लोग लोग नए कपड़े पहनकर और तैयार होते हैं और एक दूसरे से मिलकर नये वर्ष की बधाई देते हैं। लोग अपने दोस्तों और परिवार के साथ उत्सव का आनंद लेते हैं और सड़क पर जुलूस का हिस्सा बनते हैं।

अन्य परंपरा

इस दिन कड़वे नीम का सेवन आरोग्य के लिए अच्छा माना जाता है। इस दिन कोई अच्छा कार्य किया जाता है। जैसे प्याऊ लगाना, ब्राह्मणों या गरीबों को भोजन कराना। इस दिन नए संकल्प लिए जाते हैं। इस दिन से नौ दिन के लिए दुर्गा सप्तशती का पाठ या राम विजय प्रकरण का पाठ की शुरुआत की जाती है। इस दिन नए संकल्प लिए जाते हैं। इस दिन किसी योग्य ब्राह्मण से पंचांग का भविष्यफल सुना जाता है। इस दिन हनुमान पूजा, दुर्गा पूजा, श्रीराम, विष्णु पूजा, श्री लक्ष्मी पूजा और सूर्य पूजा विशेष तौर पर की जाती है।

गुड़ी पड़वा के पीछे का मिथक

गुड़ी पड़वा को लेकर कई कहानियां और पौराणिक संदर्भ हैं। पवित्र हिंदू ग्रंथों में से एक, ब्रह्म पुराण में, यह उल्लेख किया गया है कि भगवान ब्रह्मा ने एक प्राकृतिक आपदा के बाद दुनिया को फिर से बनाया, जिससे सभी लोग मर गए और समय रुक गया। इस दिन, ब्रह्मा के प्रयास के बाद, समय फिर से शुरू हुआ और न्याय और सत्य का युग शुरू हुआ। इसी कारण से इस दिन भगवान ब्रह्मा की पूजा की जाती है। एक अन्य कहानी में कहा गया है कि भगवान राम 14 वर्ष का वनवास बिताने के बाद सीता और लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे थे। यह दिन भगवान राम की रावण पर विजय का जश्न मनाता है। इसलिए, गुड़ी या ब्रह्मा का झंडा घरों में फहराया जाता है जैसे कि राम की रावण पर जीत के बाद विजय ध्वज के रूप में इसे अयोध्या में फहराया गया था। हालांकि, गुड़ी का एक और ऐतिहासिक महत्व है। इतिहास गवाह है कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने मुगलों को हराया और राज्य के लोगों को मुगल शासन से मुक्त कराया। यह एक प्रमुख कारण है कि महाराष्ट्र के लोग इस दिन गुड़ी फहराते हैं। ऐसा माना जाता है कि झंडा किसी भी प्रकार की बुराई को घरों के परिसर में प्रवेश करने से रोकता है।

उदया तिथि के आधार पर चैत्र नवरात्रि 09 अप्रैल से शुरू होगी। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि के पहले दिन सर्वार्थ सिद्धि और अमृत योग रहेगा। वैदिक ज्योतिष में इन योगों में पूजा बहुत ही शुभ फलदायी होती है।

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि का विशेष महत्व होता है। एक वर्ष में कुल चार नवरात्रि आती है, पहला चैत्र नवरात्रि, दूसरा शारदीय नवरात्रि और दो गुप्त नवरात्रि। हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से चैत्र नवरात्रि आरंभ हो जाती है। चैत्र नवरात्रि के शुभारंभ दिन के साथ ही नया हिंदू वर्ष भी आरम्भ होता है। चैत्र नवरात्रि पर लगातार 9 दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना और मंत्रोच्चार किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि पर देवी दुर्गा पृथ्वी लोक आती है और अपने सभी भक्तों की हर एक मनोकामना को पूर्ण करती है। इस वर्ष चैत्र नवरात्र का पावन पर्व 09 अप्रैल, मंगलवार से शुरू हो रहे हैं और समापन 17 अप्रैल को राम नवमी पर होगा।

चैत्र नवरात्रि तिथि 2024

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि के त्योहार को बहुत अधिक महत्व दिया जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि इस वर्ष 08 अप्रैल को रात 11 बजकर 50 मिनट से शुरू हो जाएगी जो अगले दिन यानी 09 अप्रैल 2024 को रात को 08 बजकर 30 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में उदया तिथि के आधार पर चैत्र नवरात्रि 09 अप्रैल से शुरू हो जाएगी। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि के पहले दिन सर्वार्थ सिद्धि और अमृत योग रहेगा। वैदिक ज्योतिष में इन योगों में पूजा बहुत ही शुभ फलदायी होती है।

9 अप्रैल से चैत्र नवरात्रि आरंभ

घटस्थापना शुभ मुहूर्त पूजा विधि और नियम

चैत्र नवरात्रि कलश स्थापना पूजा विधि

नवरात्रि पर मां दुर्गा की उपासना का विशेष महत्व होता है। नवरात्रि पर 9 दिनों तक उपवास रखा जाता है। नवरात्रि के पहले दिन सुबह घर को साफ-सुथरा करके मुख्य द्वार के दोनों तरफ स्वास्तिक बनाए और सुख-समृद्धि के लिए दरवाजे पर आम या अशोक के ताजे पत्तों का तोरण लगाएं। इस दिन सुबह स्नान करके माता दुर्गा की मूर्ति या तस्वीर को लकड़ी की चौकी या आसन पर स्वास्तिक का चिन्ह बनाकर स्थापित करना चाहिए। मां दुर्गा की मूर्ति के बाईं तरफ श्री गणेश की मूर्ति रखें। उसके बाद माता के समक्ष मिट्टी के बर्तन में जौ बोएं, जौ समृद्धि व खुशहाली का प्रतीक माने जाते हैं। मां की आराधना के समय यदि आपको कोई भी मन्त्र नहीं आता हो तो केवल दुर्गा सप्तशती में दिए गए नवार्ण मंत्र ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुंडाये विच्चे से पूजा कर सकते हैं व यही मंत्र पढ़ते हुए पूजन सामग्री अर्पित करें। देवी को श्रृंगार का सामान और नारियल-चुन्नी जरूर चढ़ाएं। अपने पूजा स्थल से दक्षिण-पूर्व की तरफ घी का दीपक जलाते हुए ॐ दीपो ज्योतिः परब्रह्म दीपो ज्योतिर्जनार्दनः। दीपो हरतु मे पापं पूजा दीप नमोऽस्तुते मंत्र पढ़ें और आरती करें। देवी मां की पूजा में शुद्ध देसी घी का अखंड दीप जलाएं।

नौ दिन के 9 कार्य

मूर्ति और कलश स्थापना

माता की मूर्ति लाकर उसे विधि विधान से घर में स्थापित किया जाता है। इसके साथ ही घर में घट या कलश स्थापना भी की जाती है। साथ ही एक दूसरे कलश में जवारे या जौ उगाए जाते हैं।

माता का जागरण

कई लोग अपने घरों में माता का जागरण रखते हैं। खासकर पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल आदि प्रदेशों में किसी एक खास दिन रातभर भजन-कीर्तन होते हैं। इन नौ दिनों में सत्संग पूजा का आयोजन भी होता है।

व्रत रखना

पूरे नौ दिन व्रत रखा जाता है। इसमें अधिकतर लोग एक समय ही भोजन करते हैं। प्रतिदिन दुर्गा चालीसा, चंडी पाठ या दुर्गा सप्तशती का पाठ करते हैं।

कन्या भोज

जब व्रत के समापन पर उद्यापन किया जाता है तब कन्या भोज कराया जाता है।

इनकी होती है पूजा

इस नवरात्रि में नौ देवियों में शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, सिद्धिदात्री का पूजन विधि विधान से किया जाता है।

नौ भोग और औषधि

शैलपुत्री कुट्टू और हरड़, ब्रह्मचारिणी दूध-दही और ब्राह्मी, चंद्रघंटा चौलाई और चंदुसूर, कुष्मांडा पेठा, स्कंदमाता श्यामक चावल और अलसी, कात्यायनी हरी तरकारी और मोइया, कालरात्रि कालीमिर्च, तुलसी और नागदौन, महागौरी साबूदाना तुलसी, सिद्धिदात्री आंवला और शतावरी।

नौ दिन के प्रसाद

पहले दिन घी, दूसरे दिन शक्कर, तीसरे दिन खीर, चौथे दिन मालपुए, पांचवें दिन केला, छठे दिन शहद, सातवें दिन गुड़, आठवें दिन नारियल और नौवें दिन तिल का नैवेद्य लगाया जाता है।

माता को अर्पित करें ये भोग

खीर, मालपुए, मीठा हलुआ, पूरणपोळी, मीठी बूंदी, घेवर, पंच फल, मिष्ठान, घी, शहद, तिल, काला चना, गुड़, कढ़ी, केसर भात, साग, पूड़ी, भजिये, कद्दू या आलू की सब्जी भी बनाकर भोग लगा सकते हैं।

हवन

कई लोगों के यहां सप्तमी, अष्टमी या नवमी के दिन व्रत का समापन होता है तब अंतिम दिन हवन किया जाता है।

विसर्जन

अंतिम दिन के बाद अर्थात नवमी के बाद माता की प्रतिमा और जवारे का विसर्जन किया जाता है।

कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त

इस वर्ष चैत्र नवरात्रि 09 अप्रैल से आरंभ हो रहे हैं। प्रतिपदा तिथि पर कलश स्थापना के साथ ही नवरात्रि पर्व का देवी दुर्गा की आराधना का सिलसिला शुरू होता है। नवरात्रि के पहले दिन यानी चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि पर शुभ मुहूर्त को ध्यान में रखते हुए करना शुभ माना जाता है। वैदिक पंचांग की गणना के मुताबिक 09 अप्रैल को सुबह 07 बजकर 32 मिनट तक पंचक रहेगा। यानी पंचक के समाप्त के बाद घट स्थापना करना शुभ रहेगा। 09 बजकर 13 मिनट तक अशुभ चौघड़िया रहेगा इस कारण से इस समय घट स्थापना न करें। पंचांग की गणना के मुताबिक शुभ चौघड़िया 09 बजकर 13 मिनट से 10 बजकर 47 मिनट तक रहेगा। ऐसे में इस शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना कर सकते हैं। 09 अप्रैल को कलश स्थापना के लिए सबसे अच्छा मुहूर्त 11 बजकर 57 मिनट से 12 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। क्योंकि यह अभिजीत मुहूर्त है। कलश स्थापना के लिए अभिजीत मुहूर्त सर्वश्रेष्ठ होता है। इसके अलावा इस समय वैधृति योग और अश्विनी नक्षत्र का संयोग भी रहेगा। ऐसे में घटस्थापना, पूजा का संकल्प लेना और मंत्रों का जाप करना शुभ फलदायी रहेगा।

ब्रह्म मुहूर्त- सुबह 04.31 से 05.17 तक
अभिजीत मुहूर्त- सुबह 11.57 से दोपहर 12.48 तक
विजय मुहूर्त- दोपहर 02.30 से दोपहर 03.21 तक
गोधूलि मुहूर्त- शाम 06.42 से शाम 07.05 तक
अमृत काल- रात्रि 10.38 से रात्रि 12.04 तक
निशिता काल- रात्रि 12.00 से 12.45 तक
सर्वार्थ सिद्धि योग- सुबह 07.32 से शाम 05.06 तक
अमृत सिद्धि योग- सुबह 07.32 से शाम 05.06 तक

गुड़ी पड़वा का पर्व बेहद खास माना जाता है। इस साल यह 9 अप्रैल दिन मंगलवार को मनाया जाएगा। यह दिन मराठी लोगों के नव वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है। इस पर्व को युगादी, चेटी चंड और नव संवत्सर उगादी जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। इस शुभ अवसर पर महिलाएं अपने घरों को सुंदर गुड़ी से सजाती हैं जो शुभ शुरुआत को दर्शाता है।

क्यों खास है गुड़ी पड़वा

गुड़ी पड़वा महाराष्ट्र का एक महत्वपूर्ण पर्व है। हिंदू पंचांग के अनुसार, यह चैत्र महीने के पहले दिन मनाया जाता है। यह मराठी लोगों के नव वर्ष की शुरुआत का भी प्रतीक है। इस दिन मराठी समुदाय के लोग अपने घरों के बाहर समृद्धि के प्रतीक गुड़ी को लगाते हैं और पूजा करके गुड़ी पड़वा मनाते हैं। ऐसा माना जाता है कि यह परंपरा पूरे साल खुशियां, सफलता और समृद्धि लाती है। इस साल गुड़ी पड़वा 9 अप्रैल, 2024 दिन मंगलवार को मनाया जाएगा। यह हिंदू नव वर्ष विक्रम संवत 2081 और शुभ चैत्र नवरात्रि की शुरुआत के साथ भी मेल खाता है। युगादी, चेटी चंड और नव संवत्सर उगादी जैसे विभिन्न नामों से जाना जाने वाला यह पर्व चैत्र प्रतिपदा उत्सव की शुरुआत का प्रतीक है।

गुड़ी पड़वा का अर्थ

गुड़ी का मतलब है ध्वज यानी झंडा और प्रतिपदा तिथि को पड़वा कहा जाता है। यह रबी फसलों की कटाई का प्रतीक है। ऐसा कहा जाता है यही वह दिन है, जब भगवान ब्रह्मा ने ब्रह्मांड के निर्माण की शुरुआत की थी। यह दिन महाराष्ट्र में बड़ी भव्यता और दिव्यता के साथ मनाया जाता है।

छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़ा है गुड़ी पड़वा का पर्व

महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा का पर्व मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज की जीत के रूप में मनाया जाता है। इसे लोग विजय ध्वज के समान अपने घरों के बाहर फहराते हैं। यह पर्व हिंदू विजय और समृद्धि का प्रतीक है। क्यों खास है गुड़ी पड़वा का पर्व महिलाएं स्नान के बाद अपने घरों को सुंदर गुड़ी से सजाती हैं, जो शुभ शुरुआत को दर्शाता है। गुड़ी को पारंपरिक रूप से एक बांस की छड़ी का उपयोग करके तैयार किया जाता है, जिसके ऊपर एक उल्टा चांदी, तांबा या पीतल का बर्तन रखा जाता है। इसके बाद केसरिया रंग के कपड़े, नीम या आम के पत्तों और फूलों से सजाकर इसे घर के सबसे ऊंचे स्थान पर लगाया जाता है। इसके अलावा लोग अपने प्रवेश द्वारों को रंगीन रंगोलियों से सजाते हैं, और प्रसाद के रूप में पूरन पोली और श्रीखंड जैसे विशेष व्यंजन तैयार करते हैं।

ध्वज के बिना अधूरा है गुड़ी पड़वा का त्योहार

हिंदू कैलेंडर के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से हिंदू नववर्ष की शुरुआत मानी जाती है। ऐसे में साल 2024 में 09 अप्रैल से हिंदू नववर्ष की शुरुआत होने जा रही है। भारत के कई राज्यों में हिंदू नववर्ष को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। मराठी में इसे गुड़ी पड़वा कहा जाता है जो एक महत्वपूर्ण त्योहार है। हिंदी कैलेंडर के अनुसार, गुड़ी पड़वा का त्योहार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर मनाया जाता है। इस दिन लोग नए वस्त्र धारण करते हैं और अपने घरों को सजाते हैं। इस विशेष अवसर पर भगवान विष्णु के साथ-साथ ब्रह्मा जी की भी पूजा की जाती है।

गुड़ी पड़वा पूजा विधि

सबसे पहले गुड़ी पड़वा के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें। इसके बाद पूरे घर की अच्छे से साफ-सफाई करने के बाद घर के मुख्य द्वार को आम के पत्तों की तोरण लगाएं और घर को रंगोली से सजाएं। अब घर के किसी एक हिस्से में गुड़ी लगाएं और उसे फूलों से सजाएं। गुड़ी पड़वा के दिन पूरे परिवार के साथ विधि-विधान पूर्वक ब्रह्मा जी पूजा करें। तत्पश्चात गुड़ी फहराने के बाद भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करें।

सिंधी समुदाय के लिए विशेष महत्व रखता है चेटी चंद

चेटी चंड पर्व सिंधी समाज के आराध्य देव भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस पर्व से सिंधी समाज के नववर्ष की शुरुआत भी होती है। यह पर्व हर साल चैत्र शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर मनाया जाता है।

चैत्र के महीने को सिंधी में चेत कहा जाता है। चेटी माह के दौरान चंद्रमा के पहली बार दिखाई देने के कारण इस पर्व को चेटी चंड कहा जाता है। सिंधी मान्यताओं के अनुसार, यह दिन अत्यधिक शुभ माना जाता है और इसे बहुत-ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन पर सिंधी लोग जल की पूजा करते हैं। नई कार, व्यापार शुरू करने के लिए भी इस दिन को बहुत ही शुभ और अनुकूल माना जाता है। चलिए जानते हैं सिंधी समाज के लिए यह पर्व इतना महत्व क्यों रखता है।

चैत्र माह के प्रतिपदा तिथि 08 अप्रैल को रात्रि 11 बजकर 50 मिनट पर शुरू हो रहा है। वहीं, इस तिथि का समापन 09 अप्रैल रात 08 बजकर 30 मिनट पर होगा। ऐसे में चेटीचंड का पर्व 09 अप्रैल, मंगलवार के दिन मनाया जाएगा। इस दौरान पूजा का शुभ मुहूर्त कुछ इस प्रकार रहेगा - चेटी चंड मुहूर्त - शाम 06 बजकर 44 मिनट से 07 बजकर 29 मिनट तक

चेटीचंड का महत्व

सिंधी समाज के ईष्टदेव, संत झूलेलाल को वरुण देवता का ही अवतार माना जाता है। सिंधी समाज की मान्यताओं के अनुसार, सिंधियों के संरक्षक संत भगवान झूलेलाल का जन्म सद्भावना और भाईचारा बढ़ाने के लिए हुआ। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, मिरखशाह नामक दमनकारी शासक सिंधी समाज के लोगों पर इस्लाम अपनाने का दबाव बना रहा था। तब सिंधियों ने जबरन धर्म परिवर्तन से बचाने के लिए वरुण देवता से प्रार्थना की। इसके बाद वरुण देवता ने संत झूलेलाल के रूप में जन्म लेकर सिंधी लोगों को उसके अत्याचारों से मुक्त करवाया। विशेष दिन पर भगवान झूलेलाल की पूजा की जाती है और सांस्कृतिक नृत्य और लोक कलाओं के माध्यम से यह पर्व मनाया जाता है।

चेटी चंद की परंपराएं

भारत को विविध धार्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले देश के रूप में जाना जाता है और यहां कई प्रकार के त्योहार मनाता है। ऐसा ही एक त्योहार है चेटी चंद जो सिंधी समुदाय द्वारा मनाया जाता है। चेटी चंद एक विशेष त्योहार है जो सिंधियों के लिए हिंदू नव वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है। चेटी चंद की तिथि चंद्र-सौर हिंदू कैलेंडर के चंद्र चक्र पर आधारित है, जो वर्ष के पहले दिन, चेत के सिंधी महीने में पड़ती है। जैसे गुड़ी पड़वा मराठियों के लिए नया साल है, वैसे ही चेटी चंद, जो उसी दिन पड़ता है, सिंधियों के लिए नए साल का दिन है। चेटी चंड को भगवान देव (जल देवता) साईं उदेरोलाल के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है, जिन्हें झूलेलाल के नाम से जाना जाता है।

कौन है भगवान झूलेलाल

उसके अत्याचार से मुक्ति पाने के लिए सभी ने सिंधु नदी के किनारे लोगों ने पूजा पाठ, जप, व्रत आदि किए थे। कई दिनों तक पूजन चलता था। भक्तों की सच्ची आराधना से प्रसन्न होकर जलदेवता भगवान झूलेलाल प्रकट हुए और उन्होंने भक्तों से कहा कि वह 40 दिन बाद सिंधी समाज में जन्म लेंगे। उसके ठीक 40 दिन बाद चैत्र सुदी दूज पर उनके बताए स्थान पर एक चमत्कारी बालक ने श्रीरतनराव लोहाना के घर जन्म लिया, वही भगवान झूलेलाल कहे गए।

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/
Kalinga pg-3 for 13 APR.pmd　4/13/2024, 11:54 AM

कलिंग समाचार

संपादकीय

शनिवार 13 अप्रैल 2024

मणिपुर पर प्रधानमंत्री का बड़ा दावा

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बड़ा बयान दिया है। प्रधानमंत्री का दावा है कि केंद्र सरकार के समय रहते दख़ल देने और राज्य सरकार की कोशिशों के कारण मणिपुर के हालात में सुधार आया है। द असम ट्रिब्यून नाम के अख़बार को दिए एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि .हमारा मानना है कि हालात से संवेदनशीलता के साथ निपटना सबकी सामूहिक ज़ि मेदारी है। मैंने इस बारे में संसद में पहले भी कहा है। हमने अपने सबसे अच्छे संसाधनोंए प्रशासन को इस संघर्ष को सुलझाने में लगाया हुआ है। श्री मोदी ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर में तब रुकेए जब संघर्ष अपने चरम पर था। इस संघर्ष से जुड़े पक्षों के साथ शाह ने 15 से ज़्यादा बैठक की। राज्य सरकार को जो भी मदद चाहिए होती हैए केंद्र सरकार मुहैया करवाती है। गौरतलब है कि मणिपुर में हिंसा और अशांति का एक लंबा दौर चला है। मणिपुर हाई कोर्ट ने 27 मार्च 2023 को अपने एक आदेश में राज्य सरकार से मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने की बात पर शीघ्रता से विचार करने को कहा था। इसके बाद मई 2023 की शुरुआत में मैतेई और कुकी लोगों के बीच हिंसक झड़पों की शुरुआत हुईए जो बढ़ते.बढ़ते पूरे राज्य में फैल गई। इस हिंसा में घोषित तौर पर अब तक क़रीब 200 लोगों की जान जा चुकी है। हज़ारों लोगों को अपना घर छोड़कर बाहर रहना पड़ रहा है। लगभग साल भर की अशांति के बाद फ़रवरी 2024 में मणिपुर हाई कोर्ट ने पिछले आदेश से उस अंश को हटा दिया है जिसमें मैतेई समुदाय के लिए अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की सिफ़ारिश का ज़िक्र था। लेकिन इसके बाद भी मणिपुर में हालात अब तक सामान्य नहीं हुए हैं। आलम ऐसा है कि हजारों मतदाता अब भी राहत शिविरों में हैं और चुनाव आयोग को वहीं से उनके मतदान का इंतजाम करना पड़ रहा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी दो बार मणिपुर का दौरा कर चुके हैं। उनकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत भी मणिपुर से ही हुईए ताकि इस राज्य की ओर शेष भारत का ध्यान खींचा जा सके और यहां हालात सामान्य करने का दबाव राज्य और केंद्र सरकार पर बनाया जा सके। यह हैरत की बात है कि राहुल गांधी ने हिंसाग्रस्त मणिपुर का दौरा कियाए उनके अलावा कई और विपक्ष के नेता मणिपुर चले गएए कई पत्रकारों ने मणिपुर जाकर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी आज तक मणिपुर नहीं गए। बल्कि नवंबर.दिसंबर में जब पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुएए तो मणिपुर के पड़ोसी राज्य मिजोरम में प्रचार के लिए श्री मोदी नहीं गएए क्योंकि फ़िर उन पर मणिपुर जाने का दबाव भी बढ़ जाता। देश में कई बार प्रधानमंत्री मोदी से सवाल किए गए कि वे सारे देश में घूम सकते हैंए विदेश जाने के लिए वक्त निकाल सकते हैं तो एक बार भी मणिपुर क्यों नहीं गए। प्रधानमंत्री से यह सवाल भी किया गया कि पूर्वोत्तर के इस राज्य में भाजपा की सरकार हैए तो वहां के मु यमंत्री वीरेन सिंह से अब तक त्यागपत्र क्यों नहीं लिया गया। लेकिन इनमें से किसी सवाल का जवाब श्री मोदी ने नहीं दिया। और अब चुनावों के पहले वे मणिपुर का ज़िक्र कर भी रहे हैंए तो उसमें यह दावा कर रहे हैं कि मणिपुर में समय रहते केंद्र सरकार के दख़ल के कारण स्थितियां सुधरी हैं। जबकि संसद के 2023 के मानसून सत्र में विपक्ष के सांसदों ने जब मोदी सरकार के खिलाफअविश्वास प्रस्ताव पेश किया थाए तब जाकर खूब मिनटों का बयान मणिपुर पर प्रधानमंत्री ने दिया था। उसी दौरान मणिपुर में दो कुकी महिलाओं का वस्त्रहरण करके उनकी परेड करवाने का एक वीडियो भी सामने आया थाए जिस पर विपक्ष ने गंभीर सवाल उठाए थेए और मजबूरन प्रधानमंत्री को बयान देना पड़ा था। अब एक तरफनरेन्द्र मोदी दावा कर रहे हैं उनकी सरकार ने समय रहते हालात संभाले और वहीं मणिपुर के मु यमंत्री बीरेन सिंह ने अभी कहा है कि दो कुकी महिलाओं के यौन उत्पीड़न और उनकी परेड करवाने का वीडियो विपक्ष ने वायरल किया था ताकि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा सरकार को बदनाम किया जा सके।

गुलाबी आंकड़े, झुलसाती सच्चाई

अरविन्द मोहन

अपनी अर्थव्यवस्था को भी यह मर्ज लगा हुआ दिखता है लेकिन न तो शासन को होश है न जानकार लोग ही इसका शोर मचा रहे हैं। सुनहरे आंकड़ों के बीच बड़ी कंपनियों में लगातार यह चिंता पसर रही है कि उनका माल खपत नहीं हो रहा है। और इससे भी ज्यादा चिंता की बात है कि शहरी और अमीर लोगों की जरूरत वाली कुछ चीजों की मांग तो बढ़ी है लेकिन आम उपभोक्ता और ग्रामीण इलाकों में मांग नहीं बढ़ी है। चुनाव पास आते ही आकर्षक आंकड़ों की बारिश शुरू हो गई है। और मामला सिर्फ बीते सालए महीने या तिमाही के आंकड़ों का नहीं हैए अगले साल से लेकर 2047 में भारत को विश्व की आर्थिक महाशक्ति बनाने तक के हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने अगले साल के लिए जीडीपी में आठ फीसदी का विकास दर बता दिया है। अभी हाल के समय तक आंकड़ों का खेल ऐसा नहीं था। विदेश व्यापार और औद्योगिक उत्पादन में एक महीने उतार दिखता था तो किसी महीने चढ़ाव। विदेश व्यापार का घाटा कभी रिकार्ड स्तर पर दिखता था तो कभी आयात कम होने से काफी कम। एक गरीबी के ही आंकड़े को लीजिए तो की तरह के आंकड़े हाजिर हैंए जबकि असलियत यही है कि सरकारी स्तर पर आंकड़े जुटाने का काम मनमाने ढंग से हो रहा है। अगर तस्वीर गुलाबी न दिखे तो आंकड़े रोके भी जा रहे हैं और उसके जरा भी अच्छे हिस्से को शोर मचाकर बताया जाता है। हमारे जीवन के निर्वाह और आर्थिक हैसियत को बताने वाली लगभग तीन दर्जन सूचनाओं से लैस जनगणना का काम रोका हुआ है जबकि इसमें अभी ही पांच साल की देरी हो चुकी है। विश्व युद्ध और महामारी में भी न रुकी जनगणना अब क्यों रोकी गई है इसका कोई स्पष्टीकरण नहीं आया है। खैर।

इन बातों से जो धनात्मक बातें हैं उनका महत्व काम नहीं होता। जीएसटी का संग्रह और भविष्य निधि कोष के सदस्यों की सं या निरंतर बढ़ती गई है जिसे सरकार अपनी उपलब्धि ही नहीं रोजगार बढ़ाने के वायदे को पूरा करने की तरह पेश कर रही है। मोदी राज के ज्यादा समय पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत कम रही है और सरकार ने उस अनुपात में आम उपभोक्ताओं को राहत न देकर मोटा राजस्व जमा किया जिसका उपयोग.दुरुपयोग क्या हुआ यह हिसाब भी साफनहीं है। असल में बजट का अनुशासन अब सिर्फकहने की चीज रह गई है और नोटबंदी जैसा फैसला भी एक आदमी की मर्जी से ही लिया गया। इससे बड़ी बात है कि पूरी दुनिया कोविड से उबरने के बाद आर्थिक रूप से पुरानी स्थिति में आने की कोशिश कर रही है। इसमें अमेरिका काफी हद तक सफल हुआ है तो चीन और यूरोप अभी भी संकट में दिख रहे हैं। वहां असली समस्या लोगों में उपभोग का स्तर गिरना है जिससे कुछ देशों की अर्थव्यवस्था के बैठने का खतरा बन गया है। न सामान बिक पा रहा है न रोजगार मिल रहा है। रोजगार कम हों तो क्रय शक्ति कम होगी और सामान कम बिकेगा तो अर्थव्यवस्था की रोजगार पैदा करने की शक्ति घटेगी। हमारी अर्थव्यवस्था ने ठीक.ठाक वापसी की है। लेकिन कुछ बड़ी बीमारियां हैं जो पीछा नहीं छोड़ रही हैं।

सुनहरे आंकड़ों के बीच बड़ी कंपनियों में लगातार यह चिंता पसर रही है कि उनका माल खपत नहीं हो रहा है। और इससे भी ज्यादा चिंता की बात है कि शहरी और अमीर लोगों की जरूरत वाली कुछ चीजों की मांग तो बढ़ी है लेकिन आम उपभोक्ता और ग्रामीण इलाकों में मांग नहीं बढ़ी है। यह फासला भी बढ़ता जा रहा है। जो लोग इस विरोधाभास पर नजर रखे हुए हैं वे अपने हिसाब से कुछ कारण और समाधान भी बताते हैं लेकिन चुनाव जीतने भर की चिंता वाली सरकार को इन पर ध्यान देने का होश नहीं लगता। वह इस बात से खुश है कि वर्ष 2023.24 में जीएसटी कलेक्शन 20 लाख करोड़ से पार हों गया है।

दुर्भाग्य से अपनी अर्थव्यवस्था को भी यह मर्ज लगा हुआ दिखता है लेकिन न तो शासन को होश है न जानकार लोग ही इसका शोर मचा रहे हैं। सुनहरे आंकड़ों के बीच बड़ी कंपनियों में लगातार यह चिंता पसर रही है कि उनका माल खपत नहीं हो रहा है। और इससे भी ज्यादा चिंता की बात है कि शहरी और अमीर लोगों की जरूरत वाली कुछ चीजों की मांग तो बढ़ी है लेकिन आम उपभोक्ता और ग्रामीण इलाकों में मांग नहीं बढ़ी है। यह फासला भी बढ़ता जा रहा है। जो लोग इस विरोधाभास पर नजर रखे हुए हैं वे अपने हिसाब से कुछ कारण और समाधान भी बताते हैं लेकिन चुनाव जीतने भर की चिंता वाली सरकार को इन पर ध्यान देने का होश नहीं लगता। वह इस बात से खुश है कि वर्ष 2023.24 में जीएसटी कलेक्शन 20 लाख करोड़ से पार हों गया है।

यह एक आत्मघाती आंकड़ा और मोह है। असल में इसका उत्पादन बढ़ाने से रिश्ता नहीं है। भूमंडलीकरण आने और आईटी के प्रसार से अब काफी सारा कारोबार अनौपचारिक क्षेत्र से निकल कर औपचारिक बनता जा रहा है। छोटे कारोबारी और दूकानदारों का कर के और औपचारिक अर्थव्यवस्था में आना स्वागत योग्य बदलाव है पर आनलाइन कारोबार के देहात तक पहुंचने से कितनी दूकानें बंद हुई हैं या कितने छोटे धंधे वालों की आमदनी कम हुई है यह हिसाब नहीं है। जिस तरह छोटे किसान कमाई कम होते जाने पर भी खेती से चिपके रहते हैं उसी तरह इन लोगों के पास भी उसे धंधे में बने रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। बेरोजगार नौजवानों की फौज सुबह छह बजे से रात दस बजे तक कूरियर सेवा देनेए ई. रिक्शा चलाने और इसी तरह के कम आमदनी वाले काम करने में होड़ लगाए हुए हैं। पेंशनए प्रॉविडेन्ट फंड और दूसरी सुविधाएं कौन मांगेगा जब न्यूनतम मजदूरी मांगने का होश नहीं है। कानून होने के बावजूद खुद सरकार मनरेगा में लाखों लोगों से न्यूनतम मजदूरी डर से काम पर काम कराती है तो बाकी पर कानून कौन लागू कराएगाः

सेंटर फार मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनामी के अनुसार वर्ष 2023.24 में 27०9 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ। पिछले साल यह आंकड़ा 38०96 लाख करोड़ रुपए का था। सरकार इसे इठलाते हुए पेश करती है लेकिन अनेक लोग इस आंकड़े को हमारी अर्थव्यवस्था की बुनियादी बीमारी से जोड़ते हैं। अगर विकास का स्तर साल में सिर्फ सात फीसदी हों और निवेश का स्तर जीडीपी के 30 से 35 फीसदी पर आ जाए तो जाहिर है लोग पेट काटकर निवेश कर रहे हैं। उपभोग का स्तर तो चार से पांच फीसदी भी नहीं बढ़ता। और इस पर तुर्रा यह कि राष्ट्रीय आय में श्रम का हिस्सा निरंतर गिर रहा है।

माना जाता है कि हमारे यहां महामारी की तुलना में आज करीब डेढ़ करोड़ ज्यादा मजदूर खाली बैठे हुए हैं। पूंजी आए और श्रम का हिस्सा कम होता जाए यह विरोधाभासी विकास तब ज्यादा अच्छी तरह समझ आता है जब हम समाज के एक छोटे हिस्से की बड़े घरए बड़े लैटए बड़ी कारए महंगे सौन्दर्य प्रसाधनए विदेश भ्रमणए बाहर भोजन वगैरह के खर्च को देखें। फिर समझ आता है कि बाहर छूटे बड़े हिस्से के जीवन में और ज्यादा कठिनाई क्यों आती जाती है। अरबपतियों की सं या बढ़ाना बुरा नहीं है लेकिन देश के करोड़ों लोगों के जीवन में जहर घोलकर नहीं।

इस भारत को न जानने और न मानने वाले

सर्वमित्रा सुरजन

इस बार के चुनाव शुरु होने से पहले ही जिस तरह बार.बार बहुमत की जगह 4 सौ के आंकड़े को भाजपा ने लोगों के दिल.दिमाग में बिठाने की कोशिशें शुरु कर दी हैंए दरअसल वह एक बड़े खेल की रणनीति है। जिसमें जनता को मानसिक तौर पर एक बड़े बदलाव के लिए तैयार किया जा सके। 2014 में अच्छे दिनों का जुमला भी ऐसा ही एक खेल था।

18वीं लोकसभा का चुनाव शुरु होने में अब केवल 15 दिन रह गए हैं। भाजपा का दावा है कि वह तीसरी बार सत्ता में वापसी करने जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त 2023 को लालकिले से ऐलान कर ही दिया था कि वे अगली बार भी झंडा फहराने आएंगे। इसके अलावा अलग.अलग मौकों पर कई मंचों से उन्होंने अपनी वापसी का तानाशाही भरा ऐलान किया। हाल ही में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के 90वें स्थापना दिवस पर भी प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं सौ दिन चुनाव में व्यस्त हूंए तब तक का वक्त आप लोगों के पास है। उसके बाद आप तैयार हो जाइए धमाधम काम आने वाला है। उनकी इस बात पर वहां मौजूद तमाम रसूखदार लोग कठपुतलियों की तरह ताली बजाते और ठहाका भरते नजर आए। किसी ने यह सवाल करने की जहमत नहीं उठाई कि साहब पहले मतदान तो हो जाने दीजिए। सात चरणों में मतदान होगाए फिर 4 जून को नतीजे आएंगेए तब बता दीजिएगा कि धमाधम काम आएगा या नहीं।

प्रधानमंत्री का एकालाप मगन होकर सुनने वालों में राज्यपालए केन्द्रीय मंत्री और भारत सरकार के आला दर्जे के अफसर सभी शामिल थेए लेकिन सभी में रीढ़ की हड्डी गायब दिखी। इनकी शिक्षाए अनुभवए ओहदाए सब बेकार नजर आए। वहीं एक निजी विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में तिहाड़ जेल जा चुके एक कथित पत्रकार भाजपा के झूठ को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे थे। अपने संबोधन में इन पत्रकार महोदय ने यूक्रेन और रूस के युद्ध को नरेन्द्र मोदी ने रुकवाया हैए इस झूठ को आगे बढ़ाने की कोशिश की। लेकिन श्रोताओं में मौजूद एक छात्रा ने पलट कर कह दिया कि अच्छा तो तब लगता जब युद्ध वाकई रुका होता। इस छात्रा की हि मत रिजर्व बैंक के समारोह में उपस्थित कथित गणमान्य लोगों की काबिलियत पर भारी दिखी। कम से कम उसने सच बोलने और झूठ बोलने पर टोकने का जज्बा तो दिखाया वर्ना यह सिलसिला ऐसे ही आगे बढ़ता रहता। इस वक्त देश में उस छात्रा जैसी हि मत और तार्किक सोच रखने वालों की स त जरूरत है। क्योंकि इस बार के चुनाव वाकई तय करेंगे कि अब देश में संविधान बचा रहेगा या फिर देश हिंदू राष्ट्र बन जाएगा। व्हाट्सऐप पर एक संदेश इन दिनों खूब प्रसारित किया जा रहा है। जिसमें लिखा है कि किसे वोट देंए यह समझ नहीं आए तो किन.किन लोगों से पूछना चाहिए। फिर इसमें कश्मीरी पंडितोंए राम मंदिर के भक्तोंए तीन तलाक पाने वाली महिलाओंए 5 किलो मु त अनाज पाने वाले गरीबए आयुष्मान कार्डधारी लोगोंए ऐसे कई वर्गों का जिक्र किया गया है और इसमें खुलकर झूठ का बखान भी हैए जैसे 24 घंटे बिजली पाने वालेए सीधे खाते में रुपए पाने वाले आदि बातों को लिखा गया है।

बड़ी सफाई से 15 लाख हर खाते मेंए हर साल 2 करोड़ रोजगारए किसानों की दोगुनी आयए सस्ता पेट्रोल और रुपए की कीमत में सुधार जैसी बातों को छोड़ दिया गया है। फिर इसमें अपील की गई है कि इसे 10 हिंदू मित्रों और रिश्तेदारों के साथ साझा करें। आगे इस संदेश में ये भी बताया गया है कि इस बार 400 पार जाना क्यों जरूरी है। संसद में सीटों का आंकड़ा समझाते हुए कहा गया है कि इस बार मोदी जी को 407 सीटें दीजिए। मोदी 3०0 2024 में होगा तो वक्फ बोर्ड खत्म होगाए 10 करोड़ बांग्लादेशी घुसपैठियों को भगा देंगेए अल्पसं यक आयोग खत्म होगाए पूजा स्थल कानून खत्म हो जाएगाए आतंकवाद की फैक्ट्री वाले मदरसों पर रोक लगाई जाएगी और समान शिक्षा कानून बनाया जाएगाए केंद्र और 29 राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे 600 अल्पसं यक मंत्रालय खत्म हो जाएंगेए 4.4 निकाह और 3 तलाक पर रोक लग जाएगीए पत्थरबाजों और दंगाइयों की 100प्रतिशत संपत्ति जब्त कर 10 साल की सजा का प्रावधान होगा। इसके बाद आखिरी में लिखा है कि आईटीए मैन्युफैक्चरिंगए एआईए कृषि और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश 100प्रतिशत बढ़ाया जाएगा।

व्हाट्सऐप पर प्रसारित हो रहा ये संदेश बहुत बड़ा हैए जिसे संक्षिप्त में ऊपर वर्णित किया गया है। इस संदेश को देखने के बाद कोई संदेह नहीं रह जाता कि नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के पीछे की मंशा देश का संविधान बदलना है। ध्यान देने की बात ये है कि भाजपा अपने इस मकसद को बड़ी चालाकी से जनता तक पहुंचा रही है। क्योंकि मोदी की गारंटियों में कहीं हिंदू राष्ट्र बनाने का जिक्र नहीं है। भाजपा का घोषणापत्र भी अब तैयार हो रहा हैए जिसमें सरकार की उपलब्धियों और कश्मीरए राम मंदिर जैसी बातों का उल्लेख होगाए लेकिन साफ तौर पर ये कहीं नहीं लिखा होगा कि हम तीसरी बार सत्ता में आएंगे तो संविधान बदल देंगे। मगर भाजपा काम उसी दिशा में कर रही है।

भाजपा के सांसद अनंत हेगड़े ने पिछले दिनों कहा था कि अगर 4 सौ से ज्यादा सीटें एनडीए को मिलती हैंए तो संविधान बदल देंगे। वहीं हाल ही में राजस्थान के नागौर से भाजपा प्रत्याशी ज्योति मिर्धा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गयाए जिसमें वे अपने प्रचार के दौरान लोगों से कह रही हैं कि. आप लोग जानते हैं कि अगर संविधान में हमें कोई बदलाव करना होता है तो संसद के दोनों सदनों. लोकसभा और राज्यसभा में बहुमत की आवश्यकता होती है। लोकसभा में आज बीजेपी और एनडीए के पास प्रचंड बहुमत है लेकिन राज्यसभा में आज भी हमारे पास बहुमत नहीं है।

यहां ज्योति मिर्धा ने संसद के आंकड़े वैसे ही लोगों को समझाए जैसे व्हाट्सऐप में समझाए गए हैं। इसका मतलब भाजपा का एजेंडा एकदम साफ है कि उन्हें 4 सौ सीटें संविधान बदलने के लिए चाहिए। ज्योति मिर्धा के इस वीडियो पर जब सवाल उठेए तो उन्होंने सफाई दी कि उनके बयान को बढ़ा.चढ़ा कर पेश किया गया है। वे लोगों को केवल संविधान संशोधन की प्रक्रिया समझा रही थीं। ज्योति मिर्धा का यह दावा भी झूठा ही हैए क्योंकि उन्होंने साफसाफसंविधान में बदलाव की बात की है। जबकि 1950 से लेकर अब तक सौ से ज्यादा संशोधन संविधान में हो चुके हैं और इस दौरान जो भी गठबंधन या दल सत्ता में रहाए उसे इसके लिए 4 सौ से ज्यादा सीटों की जरूरत नहीं पड़ी।

इस बार के चुनाव शुरु होने से पहले ही जिस तरह बार.बार बहुमत की जगह 4 सौ के आंकड़े को भाजपा ने लोगों के दिल.दिमाग में बिठाने की कोशिशें शुरु कर दी हैंए दरअसल वह एक बड़े खेल की रणनीति है। जिसमें जनता को मानसिक तौर पर एक बड़े बदलाव के लिए तैयार किया जा सके। 2014 में अच्छे दिनों का जुमला भी ऐसा ही एक खेल थाए जिसमें उलझ कर जनता ने भाजपा को बहुमत दिया था। यह एक किस्म की मनोवैज्ञानिक रणनीति हैए जिसमें एक ही बात को इतनी बार कहा जाए कि फिर उसके होने पर लोग यकीन करने लगें और जब दावे के अनुरूप कुछ न होए तब भी सवाल पूछने की जरूरत महसूस न हो।

जनता को मनोवैज्ञानिक तौर पर प्रभावित करने का एक और जरिया फिल्में और गीत भी हैं। कश्मीर फाइल्स और द केरला स्टोरी के बाद इस बार के चुनाव से पहले आर्टिकल 370ए वीर सावरकर और जेएनयू जैसी फिल्मों का जिक्र भाजपा खेमे से होने लगा है। प्रधानमंत्री मोदी भी कई बार अपने भाषणों में इन फिल्मों का प्रचार करते दिखे और यह समझना कठिन नहीं है कि देश के लिए करने वाले सारे कामों को छोड़कर उन्हें किसी फिल्म के प्रचार की जरूरत क्यों पड़ती है। बहरहालए जेएनयू यानी जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी नाम की फिल्म का एक गीत अभी चर्चा में आया हैए जिसमें लेखकए अभिनेता पीयूष मिश्रा पर फिल्माया गया हैए आवाज भी उन्हीं की है। इस गीत के बोल हैं. पूंजीवाद से मुझको डराते हो क्योंए मुझको लेनिन के सपने दिखाते हो क्योंए चे ग्वारा है जोए सिर्फ चेहरा है वोए उसके अंदाज कोए उसके जज्बात को मैं नहीं मानताए मैं नहीं जानता। ये गीत सीधे.सीधे पाकिस्तान के बड़े शायर हबीब जालिब की नज्म दस्तूर की नकल पर लिखा गया हैए हालांकि इसमें अक्ल का इस्तेमाल जरा भी नहीं किया गया है। हबीब जालिब ने लिखा था.

दीप जिस का महल्लात ही में जलेए चंद लोगों की ख़ुशियों को ले कर चले,

वो जो साए में हर मस्लहत के पलेए ऐसे दस्तूर को सुब्ह.ए.बे.नूर को

मैं नहीं मानता मैं नहीं जानता। इस गीत में तानाशाही के खिलाफ बड़े सलीके से आवाज बुलंद की गई थी और इसकी कीमत भी हबीब जालिब ने चुकाई। लेकिन उनके दस्तूर को बड़ी बेहूदगी के साथ जेएनयू फिल्म के गीत में निभाया गया है। कोई लेनिन या चे ग्वारा को माने या न मानेए यह उसकी मर्जी है। लेकिन उन्हें केवल चेहरा बताने की सोच यह दर्शाती है कि इस गीत को लिखने और गाने वालों के पास इतिहासए राजनीति और कला बोध की बेहद कमी है। हालांकि इतना तय है कि पूंजीवाद से डराने पर आपत्ति करने वाले असल में तानाशाही कायम करने के हिमायती हैंए तभी वे लेनिन के सपनों और चे ग्वारा के अंदाज ही नहीं नेहरूए गांधी और अंबेडकर के अनेकता में एकता वाले भारत को भी न जानते हैंए न मानते हैं।

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/
Kalinga pg-4 for 13-APR.pmd 4/12/2024, 11:03 AM

विविध समाचार

अस्थाई पार्किंग बनाएं, चालान से ग्राहक भयभीत, अपर बाजार का व्यवसाय ठप

रांची १२/०४ (संवाददाता): हाईकोर्ट ने अपर बाजार को जाम मुक्त करने के लिए पार्किंग की स्थाई व्यवस्था करने का आदेश नगर निगम और एसएसपी को दिया था। लेकिनए अभी तक पार्किंग की समस्या का समाधान नहीं हुआ।

नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस ने लोगों को भयभीत कर अपर बाजार को जाम मुक्त करने की तरकीब निकाल ली है। रोजाना अपर बाजार में निगम और ट्रैफिक पुलिस की टीम अभियान चलाकर रोड के किनारे खड़े वाहनों का चालान काट रही है। दीपावली.छठ जैसे त्योहार में अपर बाजार ठप हो गया है। कपड़ा व्यापारी सुमित जैन ने बताया कि पहले कोरोना अब निगम और पुलिस ने व्यापारियों को पूरी तरह बर्बाद कर दिया।

बकरी बाजार में तत्काल अस्थाई पार्किंग बनाने में मात्र 24 घंटे का समय लगेगा। लेकिनए निगम जुर्माना वसूलने के लिए अस्थाई पार्किंग नहीं बना पाया। दुकानदार के साथ रोजाना बाजार के लिए आने वाले 50 हजार से छोटे व्यापारी और ग्राहक परेशान हैं।

रंगरेज गली से पेपर मिल जाने वाली सड़क में दो पहिया वाहनों की पार्किंग होती है। ठेकेदार रोड के दोनों ओर वाहन लगवा कर पैसा वसूल रहा है। पार्किंग स्थल पर करीब एक दर्जन दुकानें लगवा कर पैसे की अवैध वसूली की जा रही है।

आज का राशिफल

मेष - आज के दिन धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृत्तियाँ विशेष रहेंगी। मन में द्विधा रहने से ठोस निर्णय नहीं ले सकेंगे। पैसे की लेन-देन या आर्थिक व्यवहार न करने की गणेशजी की सलाह है।

वृषभ - गणेशजी कहते हैं कि व्यापार में वृद्धि होने के साथ व्यापार के स बंध में सौदे लाभदायक साबित होंगे। आय के साधनों में वृद्धि होगी। बुजुर्गों तथा मित्र मंडल से लाभ और सुखद क्षणों का अनुभव मिलेगा।

मिथुन - शारीरिक और मानसिक सुख बने रहेंगे। नौकरी - व्यवसाय में आपके परिश्रम का मुआवजा मिलता हुआ प्रतीत होगा। अधिकारी वर्ग के प्रोत्साहन से आपका उत्साह बढ़ेगा। सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क - गणेशजी कहते हैं कि आज आपकी भाग्य वृद्धि के साथ आकस्मिक धन लाभ होगा। विदेश जाने के इच्छुक लोगों के प्रयास सफल होंगे। तथा विदेश से अच्छे समाचार आएँगे।

सिंह - आज आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना रहेगा। तबीयत के पीछे धन खर्च होने की संभावना है। निषेधात्मक विचार आपको गलत मार्ग पर न ले जाए, उसका ध्यान रखने के लिए गणेशजी कहते हैं।

कन्या - गणेशजी की कृपा से दांपत्यजीवन के सुखद क्षणों का अनुभव करेंगे। सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में आप याति और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। मनोरंजन की प्रवृत्तियों में भाग लेंगे। वस्त्राभूषण और वाहन की खरीदी होगी।

तुला - गणेशजी कहते हैं कि सामान्ज रूप से आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और बीमार व्यक्ति के भी तबीयत में सुधार होगा। घर में सुख- शांति के वातावरण में आप समय व्यतीत करेंगे। कार्य में सफलता और यश मिलने से उत्साह बढ़ेगा।

वृश्चिक - आज यात्रा प्रवास का आयोजन न करने की सलाह गणेशजी देते हैं। स्वास्थ्य के स बंध में चिंतित रहेंगे। संतानों के स बंध में समस्याएँ खड़ी होंगी। स्वाभिमान भंग न हो इसका ध्यान रखें।

धनु - गणेशजी कहते हैं कि आज आपको अत्यधिक संवेदनशीलता के कारण और घरेलू मामलों को लेकर मानसिक तनाव खड़े होने की संभावना है। मन में उठनेवाली द्विधाओं से आप मानसिक उचाट अनुभव करेंगे।

मकर - आज आप रणनीति में शत्रुओं को परास्त करेंगे। नए कार्यों के आरंभ के लिए तैयार रहें। सफलता मिलेगी। आप हरेक कार्य तन-मन से स्वस्थ रहकर करेंगे। व्यापार-धंधे में लाभ होगा।

कुंभ - गणेशजी बताते हैं कि मन में द्विधाएँ खड़ी होने से आप कोई ठोस निर्णय पर नहीं पहुँच सकेंगे। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। वाणी पर संयम नहीं रहनेसे पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव होने की संभावना है।

मीन - आनंद- उत्साह और तन-मन की प्रसन्नता आपके दिन में चेतना और स्फूर्ति का संचार करेंगे। नए कार्य हाथ में लेंगे तो उसमें सफलता मिलेगी। धार्मिक मांगलिक प्रसंगों में जाएँगे।

हेमंत सोरेन पर भाजपा का वार, बाबूलाल मरांडी बोले-ऐसे डरपोक सीएम सत्ता में रहे तो राज्य कहीं का नहीं रहेगा

रांची १२/०४ (संवाददाता): यदि पिछला सप्ताह बिहार थाए तो अब पड़ोसी राज्य झारखंड सुर्खियों में है जहां भूमि धोखाधड़ी मामले में पूछताछ के लिए मु यमंत्री हेमंत सोरेन की प्रवर्तन निदेशालय तलाश कर रही है। जांच एजेंसी के अधिकारी लगभग 30 घंटे तक उनका पता लगाने में विफल रहने के बाद मंगलवार को झारखंड की राजधानी रांची में फिर से सामने आने के बाद सोरेन ने अपने ठिकाने पर सस्पेंस खत्म कर दिया। हालांकिए पूरे घटनाक्रम को लेकर राजनीति जारी है। भाजपा हेमंत सोरेन पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है।

झारखंड भाजपा प्रमुख बाबूलाल मरांडी ने कहा कि अगर वह गायब थे तो उन्हें बताना चाहिए कि वह कहां भाग गये थे। इसके साथ ही उन्होंने सवाल किया कि अगर सीएम को पुलिसए सीबीआईए ईडी से डर लगेगा तो वह अफसरों से काम कैसे कराएंगेघ् अगर ऐसे डरपोक सीएम सत्ता में रहे तो राज्य कहीं का नहीं रहेगा। इसलिए उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं उनकी पार्टी के सदस्यों से भी कहूंगा कि उन्हें हटा दें।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जिस सरकार ने कहा था कि वह 5 लाख लोगों को नौकरी देगी लेकिन कुछ नहीं हुआ।

आज स्थिति ऐसी है कि आप इस सरकार से कोई उ मीद नहीं कर सकते क्योंकि जिस तरीके से खनिज संपदा की लूट में खुद हेमंत सोरेन शामिल हैंए उनके संरक्षण में जमीनों की लूट हो रही है और एक तरह से लूट भी रहे हैं जब बात नियुक्तियों की आती है . उन्होंने इसे आय का जरिया बना लिया है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि वर्तमान सूचना के अनुसार विधायक सीता सोरेन जी व विधायक बसंत सोरेन जी ने मु यमंत्री हेमंत सोरेन जी की पत्नी कल्पना सोरेन जी या अन्य विधायक को मु यमंत्री मानने से इंकार कर दिया है। दोनों विधायक राँची में हो रही विधायक दल की बैठक से अनुपस्थित हैं। झामुमो सांसद महुआ माजी ने कहा कि सरकार बनने के बाद से ही ये कोशिश हो रही है कि सरकार गिरा दी जाए या राष्ट्रपति शासन लगा दिया जाएण् ऐसी घटनाएं सभी गैर.बीजेपी शासित राज्यों में देखने को मिल रही हैंण् यह एक चुनी हुई सरकार है और अभी एक साल बाकी हैण्ण्ण्कसी को भी ऐसी अटकलों से दूर रहना चाहिए।श् चुनाव आ रहे हैं। जनता जिसे चुनेगी वही एक बार फिर सरकार बनाएगा।

अनजान लड़के से फोन पर करती थी बात,जंगल में मिली लाश

टाटीझरिया १२/०४ (संवाददाता): रात में अकेले अपने कमरे में युवती किसी लड़के से फोन पर बात करती थी। पूछने पर किसी से कुछ साझा नहीं करती थी। अचानक जंगल में उसकी लाश मिली। घटना टाटीझरिया थानांतर्गत मायापुर के कंदापहरी जंगल में झाड़ियों और पहाड़ी के बीच अर्धनग्न लड़की का शव की खबर मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव की पहचान ग्रामीणों ने फूलमती कुमारी उम्र 17 वर्षए पिता किशन टुडू ग्राम जेरूवाडीह के रूप में किया। जेरूवाडीह के ग्रामीणों ने बताया कि रविवार सुबह गांव के कुछ लोग प्रतिदिन की भांति अपने मवेशी को चराने के लिए कंदापहरी की ओर गए। उन्होंने वहां एक लड़की के शव को देखाए जिसके माथे पर चोट के निशान थे। वे डरते सहमते वहां से भागते हुए गांव पहुंचे। गांव वालों ने उस शव को देख उसे पहचाना और उसकी मां को इसकी सूचना दी। ग्रामीणों ने बताया कि लड़की के शरीर पर कपड़ा नहीं थाए हांए पैर में चप्पल पहने हुई थी और माथे से खून बह रहा था। मृतक का शव उसके घर से लगभग 500 मीटर दूर जंगल में मिला है। हालांकि थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार उसके अर्धनग्न अवस्था में होने से इनकार किया है।

उन्होंने कहा कि उसकी मां चांदमुनी ने बताया कि जिस कपड़े को अभी पहनी हैए कल दिन में भी यही पहनी हुई थी। पुलिस ने शव को बरामद कर लिया है। पोस्टमार्टम के बाद करीब .करीब सब स्पष्ट हो जाएगा।लड़की अपने घर में मां और 5 वर्षीय भतीजी के साथ रहती थी। पिता किशुन टुडू दो दिन पूर्व रोजगार के लिए पुणे गए थे। बड़े भाई भी बाहर ही कमाता है। भाभी अपने मायके में है।

10 गांवों में दो महीने से हाथियों का आतंक, राशन दुकान को भी तोड़ा

गढ़वा १२/०४ (संवाददाता): गढ़वा जिला के भंडरिया प्रखंड में कल तक हाथी किसानों की फसल बर्बाद कर रहे थेए लेकिन बीती रात हाथियों का झुंड प्रखंड के बिंदा गांव के जन वितरण प्रणाली की दुकान पर धावा बोल दिया। हाथियों का झुंड उक्त दुकान की खिड़की क्षतिग्रस्त कर जितना हो सका उतना अनाज खाया।

ग्रामीणों के होहल्ला के बाद हाथी वहां से जंगल की ओर भाग गए। हाथियों के आतंक के कारण ग्रामीण रतजगा कर जान माल की सुरक्षा करने में लगे हुए हैं। इन हाथियों का आतंक भंडरिया प्रखंड के करीब 10 गांव में पिछले दो महीने से अधिक समय से कायम है। अधिकारी सार्थक पहल नहीं कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि हाथियों का यह आतंक ग्रामीणों के चलते ही है। इस संबंध में ग्रामीणों ने कहां कि पपीता स्वयं सहायता समूह के द्वारा बिंदा गांव स्थित जन वितरण प्रणाली का दुकान चलाया जाता है।

इस जन वितरण प्रणाली दुकान से कुल 308 लाभुक गरीबी रेखा से नीचे जीवन बसर करने वालों को राशन मुहैया कराया जाता है। दुकानदार ने बताया कि 4 दिन पूर्व अक्टूबर माह का राशन लोगों के बीच वितरण किया जा चुका था। कुछ लाभुक अंगूठा नहीं लगाये थे।

उन लाभुकों का राशन दुकान में रखा हुआ था। जिसे जंगली हाथी ने शनिवार की रात्रि अपना निवाला बनाया है। जंगली हाथी पिछले तीन माह से भंडरिया वन क्षेत्र के विभिन्न गांव बिंदा नगनाहाएजोन्हीखाड़ए रोदो मजरीए भंडरियाए नौकाए भुरकादोहरए टेनटाडड़ आदि गांव के किसानों के खेत में लगे फसल को खाकर या रौंदकर बर्बाद कर रहे हैं।

भूमिगत खदान में बढ़ता अवैध खनन, अंडरग्राउड माइनिंग से नुकसान में सीसीएल में सिर्फएक में हो रहा है खनन

रांची १२/०४ (संवाददाता): सीसीएल को हर साल भूमिगत ; अंडरग्राउंडद्ध कोल माइंस से करोड़ों रुपये का नुकसान होता है। कंपनी को ओपेन कास्ट से फायदा हो रहा है। यही वजह है कि कंपनी को कुल मिलाकर फायदा हो रहा है। सीसीएल के पास इस वक्त एक अंडरग्राउंड माइंस है। इसी माइंस से खनन हो रहा है।

उत्पादन खर्च की तुलना करें तो ओपेन कास्ट से माइनिंग की तुलना में अंडरग्राउड माइनिंग में 10 गुना अधिक खर्च होता है। सीसीएल के पास चार अंडरग्राउंड माइनिंग है लेकिन सिर्फएक पर ही काम चल रहा है। सीसीएल कंपनी के पास सात कोल फील्ड एरिया में कुल 43 खदानें हैं। इसमें 38 ओपेन कास्ट है। अंडर ग्राउंड खदान में केवल चुरी वाला अंडर ग्राउंड माइंस चालू है लेकिन वहां भी उत्पादन ज्यादा नहीं हो रहा है।

सीसीएल में अंडर ग्राउंड खदान से एक मिलियन टन कोयला का उत्पादन भी नहीं होता है। आंकड़े की बात करें तो सीसीएल ने अंडर ग्राउंड खदान से सिर्फ0।75 मिलियन टन कोयला का उत्पादन किया। वहीं कुल उत्पादन करीब 68।84 मिलियन टन था। कंपनी का कुल उत्पादकता 9।37 टन था। इसमें ओसीपी का उत्पादकता 10।16 तथा अंडर ग्राउंड माइंस का 1।17 टन रहा। यूजी की तुलना में ओसीपी का उत्पादकता करीब 10 गुना अधिक था। हालांकिए कंपनी ने 2020.21 की तुलना में अंडर ग्राउंड माइंस से करीब 78 फीसदी अधिक उत्पादन किया था।

अवैध खनन मु य रूप से ऐसी ही खदान में होता है जो बंद हैं। भूमिगत खदान में खनन से कई मजदूरों की मौत हुई है।

सीसीएल कुजू कोलियरी के पास बंद भूमिगत खदान में कोयला काटने गये 32 वर्षीय मजदूर की जहरीली गैस से दम घुटने ती वजह से मौत हो गयी। मजदूर साइकिल से कोयला रामगढ़.रांची ले जाते हैं। कोयला ढोनेवाले मजदूरों का कहना है कि वह रोजगार का साधन नहीं रहने से जान पर खेल कर कोयला बेचते हैं। सीसीएल कुजू क्षेत्र की कई बंद खदानों के इर्द.गिर्द बड़े पैमाने पर अवैध खनन होता है।

जालसाजी मामले में एसीबी का बड़ा एक्शन, ओडिशा की कंपनी पर केस दर्ज

रांची १२/०४ (संवाददाता): सीबीआइ की रांची स्थित भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ;एसीबी ने ओडिशा के भुवनेश्वर खोरधा स्थित मेसर्स हंटिंग हॉक्स एंड सिक्योरिटी फेसिलिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के विरुद्ध जालसाजी से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। कंपनी पर 85 लाख रुपये की फर्जी बैंक गारंटी देकर मेकान में टेंडर लेने व संतोषजनक कार्य नहीं करने का आरोप है। प्राथमिकी पांच जनवरी को दर्ज की गई हैए जिसके शिकायतकर्ता मेकान के उप महाप्रबंधक कार्मिक केटी दुराई हैं। कांड के अनुसंधानकर्ता एसीबी के डीएसपी ब्रजेश कुमार बनाए गए हैं। सीबीआइ ने रांची के डोरंडा थाने में दो जनवरी 2019 को दर्ज कांड सं या 03द्2019 को टेकओवर करते हुए अपने यहां प्राथमिकी दर्ज की है।शिकायतकर्ता मेकान के उप महाप्रबंधक प्रभारी कार्मिक केटी दुराई ने धोखाधड़ी.जालसाजी का आरोप मेसर्स हंटिंग हाक्स सिक्योरिटी एंड फेसिलिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड पर लगाया था। इस कंपनी के तत्कालीन निदेशक रंजन कुमार थे। इस कंपनी का कार्यालय ओडिशा के भुवनेश्वर में खोरधा स्थित प्लाट नंबर एध्318 साहिद नगर में है। केटी दुराई के अनुसार मेकान में मैनपावर सप्लाई के लिए 29 अप्रैल 2017 को टेंडर निकला थाए जिसमें इस कंपनी ने 85 लाख रुपये की फर्जी बैंक गारंटी दी थी। उस बैंक गारंटी एसबीआइ की कलिंगा नगर शाखा से 31 जुलाई 2017 को ली गई थी। उस बैंक गारंटी पर दो बैंक अधिकारियों का फर्जी हस्ताक्षर भी था।काम संतोषजनक नहीं मिलने पर मेकान ने उक्त कंपनी को 24 दिसंबर 2018 को हटा दिया था। उसका टेंडर रद्द कर दिया गया था। नियम के अनुसार मेकान ने जब कंपनी की बैंक गारंटी को जब्त करने के लिए ओडिशा के कलिंगा नगर शाखा पहुंची तो वहां ऐसा कोई ब्रांच ही नहीं पाया। बैंक गारंटी पर हस्ताक्षर भी फर्जी पाया गया। इससे यह साबित हो गया कि कंपनी ने फर्जी बैंक गारंटी पर टेंडर लिया था। यह आपराधिक साजिश है। इसके बाद ही उक्त कंपनी पर डोरंडा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

विधिक जागरूकता शिविर

नारायणपुर १२/०४ (संवाददाता): स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सिंगोड़ीतराई में मु य न्यायिक मजिस्ट्रेट अनिल बारा के मु य आतिथ्य में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

रामगढ़ इंजीनियरिंग कॉलेज के चार छात्रों को एक्सेंचर में मिला प्लेसमेंट

चितरपुर १२/०४ (संवाददाता): मुरुबन्दा स्थित रामगढ़ इंजीनियरिंग कॉलेज जो कि झारखंड सरकार और पीपीपी के तहत टेक्नो इंडिया से संचालित कॉलेज है। नवीनतम प्लेसमेंट ड्राइव में आरईसी के 2018 2022 बैच के 4 बीटेक छात्रों को लोकप्रिय एक्सेंचर से ऑफर मिलें है।

कंपनी की इस ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया में विभिन्न विभागों के कई छात्रों ने भाग लिया है। जिनके परिणाम अभी आने बाकी हैं। कोविड .19 के कारण पूरी भर्ती प्रक्रिया ऑनलाइन आयोजित की गई थी। जहां छात्रों की लिखित परीक्षा थीए उसके बाद टीआर और एचआर राउंड थे। इस आईटी जॉब ने सीएसई विभाग के 3 और ईसीई विभाग के 1 छात्र को प्लेसमेंट दिया है। सीएसई विभाग से शिवानी सिंहए आनंद कुमार और ईसीई विभाग के अभिषेक पांडे को 4.50 एलपीए के साथ और सीएसई विभाग के राहुल कुमार को 6.50 एलपीए के साथ प्लेसमेंट मिला। इस अवसर पर रामगढ़ इंजीनियरिंग कॉलेज की प्राचार्य डॉ श्रावणी रॉय और उप प्राचार्य डॉ नजमुल इस्लाम ने एक्सेंचर में नौकरी पाने वाले सभी छात्रों को बधाई दी।

Printed, Published, Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Mainroad, Chhend colony, Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email: kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार | राउरकेला, शनिवार 13 अप्रैल 2024 | पृष्ठ-6

राउरकेला स्टील प्लांट में डीआईसी क्विज़-सम्राट पुरस्कार और उत्सव-मेस्ट्रो पुरस्कार प्रदान

राउरकेला १२/०४ (संवाददाता): गोपबंधु ऑडिटोरियम में आयोजित सेलए राउरकेला स्टील प्लांट के वार्षिक प्रदर्शन समीक्षा और पुरस्कार समारोह में डीआईसी क्विज़.सम्राट पुरस्कार और उत्सव.मेस्ट्रो पुरस्कार प्रदान किए गए। आरएसपी सह अतिरिक्तो प्रभार बोकारो स्टी्ल प्लांपट के निदेशक प्रभारी श्री अतनु भौमिक ने पुरस्कार प्रदान किए।

रोल शॉप विभाग की दो सदस्यीय टीम ने वर्ष 2023-24 के लिए डीआईसी क्विज़.सम्राट ट्रॉफी जीती। डीआईसी ने रोल शॉप की विजेता टीम दोनों ओसीटी श्री सुकेश कुमार और श्री बीरू चौधरी को डीआईसी क्विज़ सम्राट पगड़ी पहनाया और योग्यता प्रमाण पत्र एवं 10000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया। इस अवसर पर विभागाध्यतक्ष महा प्रबंधक प्रभारी ;रोल शॉप श्री एसआर महापात्र को एक ट्रॉफी प्रदान की गई। उल्लेखनीय है किए प्रथम रनर अप का पुरस्कार ब्लास्ट फर्नेस की टीम को मिला जिसमें ब्लास्ट फर्नेस के दोनों ओसीटी श्री राजीब दाश और श्री बिजय कुमार पंडा शामिल थे। दूसरा उपविजेता स्थान फील्ड मशीनरी और मेंटिनेंश विभाग की टीम को मिलाए जिसमें ओसीटी श्री बीरेंद्र कुमार माझी और एसओएसटी श्री कबी चंद्र स्वाईं शामिल थे। विशेष रूप से सहायक महा प्रबंधक ;एचआरडी श्री केके जयसवाल क्विज़ मास्टर थे और प्रतियोगिता का संचालन किया। डीआईसी ने विभाग के भीतर ई.पाठशाला के माध्यम से निरंतर सीखने और विकास को बढ़ावा देने में उनके समर्पण की मान्यता स्वगरूप विभाग प्रमुखों को उत्साह.मेस्ट्रो पुरस्कार भी प्रदान किए। मु यन महा प्रबंधक ;ईएमडी श्री पीएस कन्नन को प्रथम पुरस्कार मिलाए जबकि महा प्रबंधक प्रभारी ;ब्लांस्टी फर्नेस श्री पीण्के महापात्र को श्रेणी में दूसरा पुरस्कार मिला। उन्हें पुरस्कारों के तहत रोलिंग ट्रॉफियां प्रमाण पत्र और स्नातक कैप प्राप्त हुए।

ओडिशा की पूर्व मंत्री कमला दास का निधन

भुवनेश्वर १२/०४ (संवाददाता): ओडिशा की पूर्व मंत्री कमला दास का शनिवार देर रात कटक के एक अस्पताल में निधन हो गया। उनके परिवार ने यह जानकारी दी। परिवार ने बताया कि 79 वर्षीय दास को सीने में दर्द की शिकायत के बाद दो सप्ताह पहले भुवनेश्वर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उनके फेफड़ों में संक्रमण का पता चला। उन्होंने कहा कि बाद में उन्हें कटक के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। दास पिछले तीन दिनों से वेंटिलेटर पर थीं। देर रात करीब 12ण्30 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

कमला दास पहली बार 1990 में जनता दल के टिकट पर बालासोर जिले की भोगराई सीट से विधायक चुनी गईं। वह 1995 और 2000 में बीजू जनता दल;बीजदद्ध उ मीदवार के रूप में फिर से चुनी गईं। वह नवीन पटनायक सरकार में महिला एवं बाल विकास मंत्री भी रहीं। वर्ष 2001 में दास को मंत्री पद से हटा दिया गया। इसके बाद वह कांग्रेस में शामिल हो गईं। वह 2014 में बीजद में लौट आईं। उनके परिवार ने कहा कि अंतिम संस्कार के लिए उनके पार्थिव शरीर को उनके गृहनगर भोगराई ले जाया गया है।

ओडिशा की पूर्व मंत्री कमला दास के निधन से दुखी हूं-राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

भुवनेश्वर १२/०४ (संवाददाता): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को ओडिशा की पूर्व मंत्री कमला दास के निधन पर शोक जताया और उनके परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त की। दास के परिवार ने कहा कि शुक्रवार तड़के कटक के एक अस्पताल में उनका निधन हो गया। वह 79 वर्ष की थीं।

मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच ष्एक्सष् पर कहाए ष्वरिष्ठ राजनीतिक नेता डॉण् कमला दास के निधन से दुखी हूं जिन्होंने ओडिशा सरकार में मंत्री के रूप में कार्य किया। अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में उन्होंने लगातार ओडिशा और इसके लोगों की प्रगति के लिए काम किया। मैं उनके परिवार के सदस्यों और उनके अनुयायियों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं। दास पहली बार 1990 में जनता दल के टिकट पर ओडिशा के बालासोर जिले के अंतर्गत भोगराई सीट से विधायक चुनी गई थीं। वह 1995 में फिर से विधायक चुनी गईं और फिर 2000 में बीजू जनता दल ;बीजदद्ध के उ मीदवार के रूप में जीत दर्ज करके विधानसभा पहुंचीं।

उन्होंने बीजू पटनायक सरकार में शिक्षा एवं युवा सेवा और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया। नवीन पटनायक की सरकार में भी दास ने महिला एवं बाल विकास मंत्री के रूप में काम किया। वर्ष 2001 में दास को मंत्री नहीं बनाया गया जिसके बाद वह कांग्रेस में शामिल हो गईए लेकिन वर्ष 2014 में वह बीजद में लौट आईं।

नुआपड़ा बीजद युवा जनता के जिला अध्यक्ष का इस्तीफा

भुवनेश्वर १२/०४ (संवाददाता): नुआपड़ा जिले में बीजू जनता दल को बड़ा झटका लगा है। बीजू युवा जनता दल के जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र पंडा ने अपने पद और बीजद की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

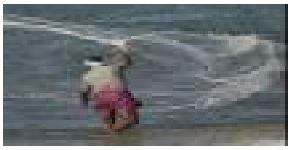

उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर जानकारी दी कि उन्होंने अपना इस्तीफा पार्टी सुप्रीमो और मु यमंत्री को भेज दिया है।हरिश्चंद्र ने इस संबंध में एक वीडियो संदेश भी जारी किया।

हरिश्चंद्र नुआपाड़ा से विधायक राजेंद्र ढोलकिया की उ मीदवारी का विरोध कर रहे थे। हालांकिए बीजद ने फिर से ढोलकिया को टिकट दे दिया ऐसे में उन्होंने पार्टी से अपना इस्तीफा दे दिया है।इस संदर्भ में उन्होंने कहा है कि राजेन्द्र ढोलकिया की उ मीदवारी का विरोध करने के बावजूद पार्टी ने हमेशा हमारी अनदेखी की है। बार.बार विरोध के बावजूद भ्रष्टाचारी नेता को पार्टी ने टिकट दिया। ऐसे में मैंने बीजद के सभी दायित्व एवं पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

ट्रेलर की टक्कर से वृद्ध गंभीर

राउरकेला १२/०४ (संवाददाता): सुंदरगढ़ जिले के हेमगिर थाना अंतर्गत कांधडुड़ा गांव में रविवार की शाम को ट्रेलर की टक्कर से वृद्ध गिर गए। गंभीर अवस्था में उन्हें पहले हेमगिर सरकार अस्पताल फिर वहां से बेहतर इलाज के लिए सुंदरगढ़ अस्पताल स्थानांतरित किया गया है।

आरएसपी के विभागों को पर्यावरण सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए पुरस्कृत

राउरकेला १२/०४ (संवाददाता): राउरकेला स्टील प्लांट ;आरएसपी के गोपबंधु ऑडिटोरियम में आयोजित वार्षिक प्रदर्शन समीक्षा और पुरस्कार समारोह में विभिन्न विभागों को वर्ष 2023-24 में पर्यावरण की सुरक्षाए संरक्षण और पोषण में उनके प्रयासों के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यपालक निदेशक ;खान श्री आलोक वर्मा और कार्यपालक निदेशक ;वित्तं एवं लेखा श्री एण्के बेहुरिया ने पुरस्कार प्रदान किए।

हॉट मेटल की प्रति टन विशिष्ट ऊर्जा खपत में कमी के आधार पर ब्लास्ट फर्नेस को वित्तीय वर्ष 2023.24 के लिए ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार मिला।

इसी प्रकार पर्यावरण पुरस्कार श्रेणी में कैप्टिव पावर प्लांट.1 ने आयरन एंड स्टील ज़ोन से पुरस्कार जीता, जबकि स्पेशल प्लेट प्लांट ने रोलिंग मिल ज़ोन से पुरस्कार प्राप्त किया और बोलानी ओर माइंस ने ओडिशा ग्रुप ऑफ़ माइंस से पुरस्कार प्राप्त किया। मूल्यांकन प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों की स्थिति, हाउस कीपिंग, कर्मचारियों के बीच जागरूकता और पर्यावरण के प्रति विभाग के रवैये पर आधारित था। स्टील प्लांट के अंदर हरियाली फैलाने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले विभागों को ग्रीन शील्ड पुरस्कार प्रदान किए गए। इस श्रेणी में रॉ मटेरियल हैंडलिंग प्लांट को पहला पुरस्कार मिला जबकि सिलिकॉन स्टील मिल ने दूसरा पुरस्कार जीता।

इसी तरहए सिंटर प्लांट.3 और कोक ओवन बैटरी.6 ने तीसरा पुरस्कार जीता, जबकि कोल्ड रोलिंग मिल ने चौथा पुरस्कार जीता और बोलानी ओर माइंस ने पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति अपने समर्पण की पुष्टि करते हुएए ओडिशा ग्रुप ऑफ माइंस से पुरस्कार जीता।

चंद सेकेंड में लखपति बना मछुआरा, जाल में फंसी यह खास किस्म की मछली, हाथोहाथ मिले लाखों रुपये

भुवनेश्वर १२/०४ (संवाददाता): ओडिशा के पारादीप बंदरगाह क्षेत्र में तेलिया मछली 18 लाख रुपये में बिकी।ओडिशा के पारादीप क्षेत्र के कुछ मछुआरों ने गहरे समुद्र से बड़ी सं या में इन दुर्लभ तेलिया मछलियों को पकड़ा था।

प्राप्त जानकारी के अनुसारए पारादीप इलाके के कुछ मछुआरे कल रात समुद्र में गए थे जब बड़ी सं या में ये दुर्लभ मछलियां मछली पकड़ने वाले जाल में फंस गईं। बाद में इसका वजन तीन क्विंटल से अधिक पाया गया। कुल 17 मछलियां पकड़ी गईं।

विश्वसनीय रिपोर्टों में कहा गया है कि मछुआरे बाद में इसे नीलामी क्षेत्र में ले गए और इन 17 मछलियों को 18 लाख रुपये की कीमत पर नीलाम कर दिया गया। पारादीप में तेलिया मछली के लिए कई खरीदार थे और इस तरह इसे नीलाम कर दिया गया। एक कंपनी ने इन मछलियों को 18 लाख रुपये में खरीदा।

दुर्लभ तेलिया मछली की आंतों को उच्च कीमतों पर बेचा जाता है क्योंकि इसका उपयोग दवाओं के निर्माण के लिए किया जाता है। तेलिया मछली में काफी मात्रा में मावे होता हैए जिससे ड्रग्स बनाए जाते हैं जिन्हें विदेशों में भी बेचा जा सकता है।मछुआरों के अनुसार तेलिया मछली का इतना विशाल ढेर बहुत दुर्लभ है और जो मछुआरे इन मछलियों को पकड़ते हैंए वे सिर्फ एक मछली से अमीर बन जाते हैं।

तेलिया मछली में ओमेगा तीन पालीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जो सूजन को कम करती है और हृदय रोगए कैंसर तथा गठिया के खतरे को संभावित रूप से कम करती है।

तेलिया मछली में प्रोटीन के अच्छे स्रोत हैं।यही कारण है कि जब मछुआरों के जाल में यह मछली फंसती है तो फिर दवा बनाने वाली कंपनियां इसकी बोली लगाकर खरीद लेती हैं।

कटक के खंडपड़ा गांव में फ्लोराइड युक्त पानी की समस्या, इस गंभीर बीमारी से जूझ रहे लोग, 50 से ज्यादा लोगों ने गंवाई जान

भुवनेश्वर १२/०४ (संवाददाता): ओडिशा की एक ग्रामपंचायत ऐसी है जहां फ्लोराइड युक्त पानी पीने से पिछले एक साल में लगभग 50 लोगों की मौत हो गई है। एक दर्जन से अधिक लोग आज भी किडनी की बीमारी से जूझ रहे हैं।

कई परिवार गांव छोड़ने को मजबूर हैं। लोगों का कहना है कि यहां नलकूपों से निकलने वाला पानी लोराइड युक्त है। इस पानी को पीने से लोग किडनी की बीमारी से मर रहे हैंए भरी जवानी में बूढ़े हो जा रहे हैं।

यह समस्या और कहीं की नहीं बल्कि ओडिशा की प्राचीन राजधानी तथा सांस्कृतिक नगरी के रूप में परिचित कटक लोकसभा एवं खंडपड़ा विधानसभा क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक नयागढ़ जिले के खंडपड़ा विधानसभा क्षेत्र के खंडपड़ा प्रखंड अंतर्गत रहने वाली सिद्धमुला पंचायत के घोड़ामारी गांव में आज 75 से अधिक परिवार रहता हैए इसमें से अधिकतर परिवार किडनी की बीमारी से जूझ रहा है।

बसंत कुमार दास, विद्याधर दास, गोविंद चंद्र दास, प्रमोद दास, बिशिका नायक, सत्यानंद नायक, नवकिशोर नायक, गौरी नायक, भगवान प्रधान, हालू नायक, शशि नायक, गौरांग नायक, साबित प्रधान, अगाधु प्रधान, खली दासएरूमा दास और लोचन दास की किडनी की बीमारी के कारण मौत हो चुकी है।

गांव के लोगों को पेयजल का साधन तीन सरकारी ट्यूबेल है।इसमें से एक वर्तमान समय में खराब है जबकि अन्य दो काम कर रहे हैं। हालांकि इस ट्यूबेल से जो पानी निकलता है वह पीने योग्य नहीं है। यह आयरन युक्त लोराइड पानी है।

गांव के अमीर लोग तो पीने का पानी शहर से खरीद रहे हैं और इसे पी रहे हैं। लेकिन गांव के गरीब लोग गंभीर गरीबी के कारण इसी पानी को पीने के लिए मजबूर हैं।

मुताबिक लोराइड युक्त पानी पीने से गांव के महेश्वर किडनी की समस्या से जूझ रहे हैं। उनके 8 वर्षीय पोते ज्ञान रंजन को किडनी की बीमारी हो गई है। खेलने.कुदने की उम्र में ज्ञान रंजन शापित जीवन जीने को मजबूर हैं।

इसके अलावा गांव के प्रमोद प्रधानए क्षेत्रवासी दासए योगीनाथ दासए रणचूबाला दासए कुनी नायकए बलभद्र स्वांईए फूल स्वांईए शरतचंद्र स्वांईए चितरंजन नायकए मधुसूदन स्वांई किडनी से पीड़ित हैं और उनका इलाज चल रहा है।यही वजह है कि कई परिवार गांव छोड़ दिए हैं।

स्थिति यह हो गई है कि इस गांव में लोग अपनी बेटी देने से डरते हैं। दोस्त रिश्तेदार आते हैं तो डर के मारे गांव का पानी नहीं पीते हैं। किडनी की बीमारी से अपने पति को खोने वाली गांव की शांतिलता दास का कहना है कि नल का पानी हमारे लिए खतरा बन गया है।

उस पानी को पीने के बाद लोग किडनी की बीमारी से पीड़ित हो रहे हैं। मेरे पति की किडनी खराब हो गई थी और पांच साल पहले उनकी मौत हो गई। मैं नहीं चाहती कि मेरा भविष्य हर किसी की तरह अंधकारमय हो।

गांव की कुनी नायक ने कहा कि मेरे पति और पोते की किडनी पानी पीने के बाद खराब हो गई है।

हमारा इलाज अस्पताल में चल रहा है। पैसे के बिनाए अपने पति और पोते के इलाज करने में हमने अपना खेत बेच दिया। अब घर में कुछ भी नहीं है। पीने के लिए अच्छा पानी नहीं है। हम उस पानी को पीकर बीमार होने के लिए मजबूर हैं। अगर ट्यूबवेल के बजाय महानदी के पानी की आपूर्ति की जाती है तो हमें जीवित रहना चाहिए।

गांव निवासी सुकांति स्वांई ने बताया कि बोरवेल का पानी पीने से किडनी को नुकसान पहुंच रहा है। इसलिए हम बाजार से पानी खरीदते हैं और पीते हैं। दोस्त हमारे घर नहीं आते। यदि कोई आता भी है तो हमारे घर का पानी नहीं पीता। सुकांति ने बताया कि लोग गांव में अपनी लड़की देने से मना कर रहे हैं।

गांव के सुदर्शन दास ने बताया कि लोराइड पानी किडनी की बीमारी से गांव में एक वर्ष में करीब 50 से 60 लोगों की मौत हो चुकी है। अब बहुत सारे लोग संक्रमित हो गए हैं। सुदर्शन ने बताया कि अब युवकों को किडनी की बीमारी हो गई है। ग्रामीणों ने बार.बार राजनेताओं और सिविल सेवकों से इस बारे में शिकायत की है।

नेता हमारी शिकायत तो सुनते हैं मगर वह कोई व्यवस्था नहीं करते हैं। नतीजतन ग्रामीण जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं और अपनी जान दे रहे हैं। पेयजल की समस्या को लेकर खंडपड़ा बीडीओ से संपर्क किया गया। हालांकिए उन्होंने इस पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/
Kalinga pg-6 for 13-APR.pmd 4/13/2024, 2:29 PM